email:mahanadisuperfast20@gmail.com

३ राज्य ओडिशा छत्तीसगढ झारखंड का लाइफ लाइन

महानदी सुपरफास्ट

MAHANADI SUPERFAST

वर्ष:3 अंक:164 | कटक गुरुवार 17 नवंबर 2022 | मूल्य रु.2.00 R.N.I NO. ODIHIN/2020/81174

मिजोरम में पेट्रोल ले जा रहे टैंकर में लगी भीषण आग से अब तक 11 की मौत

आईजोल। मिजोरम के आइजोल जिले में 29 अक्तूबर को बड़ी घटना हुई थी। यहां के तुइरियाल में 22 हजार लीटर पेट्रोल ले जा रहे टैंकर में आग लग गई थी। पुलिस ने अब बताया है कि इस घटना में कुल 11 लोगों की मौत हुई है, जबकि पहले चार लोगों की मौत सामने आई थी। पूर्वोत्तर के राज्य मिजोरम में कुछ दिन पहले 22000 लीटर पेट्रोल लेकर जा रहे टैंकर में लगी आग के बाद विस्फोट से अब तक 11 लोगों की मौत हो गई। मिजोरम की राजधानी आइजोल में तेल लेकर जा रहे एक टैंकर में 29 अक्टूबर को आग लग गई थी । आग लगने के बाद तेल टैंकर में जोरदार धमाका हुआ जिससे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि 18 लोग घायल हो गए थे। घायलों को अस्पलात में भर्ती कराया गया था, इजाल के दौरान कई लोगों की मौत हो गई। अब तक इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई। टैंकर तेल लेकर चम्पई जा रहा था। चम्पई जा रहा तेल टैंकर राजधानी आइजोल से लगभग 18 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तुइरियाल इलाके में पहुंचा ही था कि हादसे का शिकार हो गया. बताया जा रहा है कि इस टैंकर

में लगभग 22000 लीटर पेट्रोल भरा हुआ था।आग लगने के बाद पेट्रोल से भरे टैंकर में विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना जोरदार था कि आसपास के कुछ वाहन भी इसकी चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब टैंकर से छलक रहे पेट्रोल को लेने के लिए आसपास भीड़ लग गई। इसी दौरान वहां खड़े एक व्यक्ति ने लाइटर जला दिया, जिससे आग लग गई और भीषण हादसा हो गया। पुलिस ने लाइटर जलाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों का कहना है कि व्यक्ति ने दो नवंबर को अपना अपराध स्वीकार किया था, उसने कहा था कि उससे यह अनजाने में हुआ था। अधिकारियों ने बताया, आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

उत्तर भारत में कोहरे की दस्तक, न्यूनतम तापमान भी गिरावट

नई दिल्ली। पहाड़ों पर बर्फबारी होने के साथ ही मैदानी इलाकों में पारा गिरने लगा है। उत्तर भारत में कोहरे की दस्तक के साथ ठंड शुरु हो गया है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत उत्तर भारत के राज्यों के न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। सुबह के समय कोहरे का भी साया देखने को मिल रहा है। दिल्ली में बीते कई दिन से न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री दर्ज किया जा रहा है। उधर, पहाड़ों पर भारी बर्फबारी जारी है। हिमाचल और कश्मीर बर्फ की सफेद चादर में लिपटे नजर आ रहे हैं। दिल्ली के मौसम का हाल मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, आज, 16 नवंबर को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 16 डिग्री और अधिकतम तापमान 30 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। वहीं, सुबह के वक्त कोहरा और आसमान में धुंध देखने को मिल रही है।

इन राज्यों में आज हो सकती है बारिश

स्काईमेट वेदर के मुताबिक, आज यानी 16 नवंबर 2022 को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। तमिलनाडु, केरल, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के कुछ हिस्सों और दक्षिण आंध्र प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। अगले 2 से 3 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में दिन और रात के तापमान में 2-4 डिग्री की गिरावट आ सकती है। स्काईमे वेदर के मुताबिर, बंगाल की खाड़ी में लगातार दूसरा निम्न दबाव बनने वाला है यह तमिलनाडु की तरफ बढ़ेगा तथा आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत में बारिश देगा। वहीं पश्चिमी विक्षोभ आगे बढ़ चुका है अब नया पश्चिमी विक्षोभ 19 नवंबर को पहाड़ों पर पहुंचेगा तथा बारिश और बर्फबारी देगा। बर्फीली हवाएं उत्तर और मध्य भारत सहित पूर्वी भारत में दिन और रात के तापमान को कम करेगी

प्रधानमंत्री ने मिजोरम खदान हादसे पर जताया दुख

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिजोरम खदान हादसे पर दुख जताते हुए बुधवार को मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट संदेश में कहा कि मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने मिजोरम में दुखद पत्थर खदान ढहने के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया। पीएमएनआरएफ की ओर से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि सोमवार को मिजोरम के हनथियाल जिले के मौदढ़ इलाके में एक पत्थर की खदान ढहने के

कारण आठ श्रमिकों की मौत हो गई थी।

आप प्रत्याशी कंचन जरिवाला के लापता होने का दावा

गुजरात आप सीएम उम्मीदवार इसुदान ने भाजपा पर लगाए संगीन आरोप

नई दिल्ली। गुजरात के सूरत ईस्ट से चुनाव लड़ रहे आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी कंचन जरिवाला अचानक लापता हो गए है। इस बीच गुजरात में आम आदमी पार्टी के सीएम उम्मीदवार इसुदान गढ़वी ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि कंचन जारिवाला के लापता होने में भारतीय जनता पार्टी का हाथ है। इसुदान गढ़वी के मुताबिक, कंचन जरिवाला के साथ-साथ उनका पूरा परिवार भी गायब है।

भाजपा पर लगाया आरोप-इसुदान गढ़वी ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, ÷भाजपा आप पार्टी से इतनी डरी हुई है की वो गुंडागर्दी पर आ गई है ! सूरत ईस्ट से चुनाव लड़ रहे हमारे कंचन जरिवाला के पीछे भाजपा वाले कुछ दिनो से पीछे पड़े हुए थे और आज वो गायब है ! माना जा रहा है की भाजपा के गुंडो ने उन्हें उठा ले गए है ! उनका परिवार भी ग़ायब है ! भाजपा कितनी गिरेगी ?

कौन है इसुदान गढ़वी?

गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए आप पार्टी के सीएम पद के उम्मीदवार इसुदान गढ़वी खंभालिया विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। इसुदान गढ़वी गुजरात के लोकप्रिय टीवी के एंकर और पूर्व पत्रकार भी रहे चुके हैं। वह जून 2021 में आप पार्टी के सदस्य बने थे। वर्तमान में इसुदान गढ़वी आप पार्टी के राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव हैं, और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य भी हैं। बता दें कि चुनाव आयोग ने गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। 182 सीटों का विधानसभा चुनाव दो चरण में होगा। पहला चरण 1 दिसंबर और दूसरा चरण में 5 दिसंबर को मतदान होगा। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए आप पार्टी के सीएम पद के उम्मीदवार इसुदान गढ़वी खंभालिया को लेकर सीएम केजरीवाल ने कहा, ÷किसान , बेरोज़गार युवाओं ,महिलाओं ,व्यापारी के लिए सालों तक आवाज़ उठाने वाले इसुदान गढ़वी जाम खम्भालिया से चुनाव लड़ेंगे ! भगवान कृष्ण की पावन भूमि से गुजरात को एक नया और अच्छा मुख्यमंत्री मिलेगा।

श्रद्धा को हो गया था खतरे का अहसास, फिर भी आफताब पर करती रही भरोसा; दोस्तों ने क्या-क्या बताया

नई दिल्ली। श्रद्धा वाकर के एक करीबी मित्र का कहना है कि उसकी हत्या के पीछे बड़ी साजिश हो सकती है। वहीं, एक अन्य दोस्त ने दावा किया कि उसने एक बार संदेह जताया था कि आफताब पूनावाला श्रद्धा की हत्या कर सकता है, श्रद्धा को आफताब से जान का खतरा था।

श्रद्धा के दोस्त ने दावा किया कि जब श्रद्धा मुंबई के पास वसई शहर में रह रही थी, तब एक बार उसने मुझे मैसेज किया और उसे ले जाने को कहा था। उसने कहा था कि अगर वह वहां रही तो उसे आफताब मार डालेगा। उसने कहा कि इसके बाद कुछ दोस्तों ने आफताब के पास जाकर उसे चेताया था। तब हम आफताब के खिलाफ पुलिस से संपर्क करने जा रहे थे, लेकिन श्रद्धा ने हमें उस वक्त रोक दिया। उसकी और श्रद्धा की बातचीत जुलाई में श्रद्धा के ही मोबाइल पर टेक्स्ट मैसेज के जरिये हुई थी। इसके बाद वह श्रद्धा से संपर्क नहीं कर पाया और उसे उसके बारे में चिंता होने लगी थी। तब उसने श्रद्धा के परिवार वालों को सतर्क किया था। तब उसने अन्य दोस्तों से श्रद्धा के बारे में पूछा, लेकिन कोई जानकारी न मिलने पर उसने श्रद्धा के भाई से कहा कि अब

पुलिस से संपर्क करना चाहिए। एक अन्य करीबी मित्र ने कहा कि पुलिस को आफताब और उसकी पृष्ठभूमि के बारे में पता लगाना चाहिए क्योंकि हो सकता है कि यह हत्या एक बड़ी साजिश हो।

पत्रकार बनना चाहती थी

दोस्त ने कहा कि श्रद्धा मास मीडिया में स्नातक करने के बाद पत्रकार बनना चाहती थी। वह रंगमंच भी करती थी। वह बहुत सक्रिय थी और उसका आकर्षक व्यक्तित्व था। उन लोगों ने 2018 में श्रद्धा में बदलाव महसूस किया। वह दुखी रहने लगी थी। मेरे विचार से यह वही समय था, जब आफताब उसके जीवन में आया। उन्हें 2019 में पूनावाला और श्रद्धा के संबंधों का पता चला और तब उन्हें आफताब सामान्य आदमी लगा था।

दोस्तों से पूछताछ के बाद जुड़ेंगी कड़ियां-श्रद्धा के दोस्त लक्ष्मण और सचिन ने इनके तल्ख रिश्तों के बारे में बताया। वहीं हिमाचल प्रदेश में घूमने के दौरान श्रद्धा और आफताब की छतरपुर निवासी बद्री से मुलाकात हुई थी। आफताब ने बताया कि वह बद्री के कहने पर छतरपुर में रहने के लिए आया था। पुलिस घटना की कड़ियां जोड़ने के लिए सभी दोस्तों के बयान दर्ज कर रही है।

देश में ई-कचरे के कलेक्शन और रीसाइकिलिंग के रीयल टाइम डाटाबेस को करना होगा मजबूत

नई दिल्ली। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में जैसे-जैसे इलेक्ट्रानिक एवं डिजिटल सेवाओं पर निर्भरता बढ़ी है, उसी अनुपात में इलेक्ट्रानिक कचरे यानी ई-वेस्ट का अंबार भी बढ़ता जा रहा है। ऐसी इलेक्ट्रानिक वस्तुएं जो उत्पादकता खत्म होने अथवा तकनीकी खराबी की वजह से उपयोग में नहीं लाई जाती हैं, ई-कचरे का रूप ले लेती हैं। देश में ई-कचरे का प्रबंधन स्वच्छ भारत, स्मार्ट सिटी और डिजिटल इंडिया अभियान का अहम हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी ग्लोबल ई-वेस्ट मानीटर, 2020 रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में दुनिया में लगभग 5.36 करोड़ मीट्रिक टन ई-कचरा निकला। इस दशक के अंत तक यह 7.4 करोड़ मीट्रिक टन हो जाएगा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2019-20 में देश में 10,14,961.2 टन ई-कचरा निकला। दिल्ली में ही अकेले दो लाख टन ई-अपशिष्ट निकलता है। यह देश में निकलने वाले कुल ई-वेस्ट का 10 प्रतिशत है। देश में ई-वेस्ट प्रबंधन पर कई मोर्चों पर काम करना होगा। सर्कुलर इकोनमी का पहला उद्देश्य संसाधनों के टिकाऊ उत्पादन और खपत से है। लोगों को वस्तुओं के इस्तेमाल के प्रति संवेदनशील बनाना होगा। ई-कचरे के प्रबंधन और निस्तारण की पूरी प्रक्रिया में ई-कचरे का कलेक्शन, रीसाइकिलिंग और री-मैन्यूफैक्चरिंग अहम है। इसके लिए सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र को संयुक्त रूप से इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करना होगा।

ई-कचरे के प्रारंभ से अंत तक निस्तारण की जिम्मेदारी-पर्यावरण मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत ई-वेस्ट प्रबंधन नियम-2022 का मसौदा ई-कचरे के प्रबंधन में उत्पादकों, रीसाइकिलिंग संस्थाओं, नियामकों सभी की भागीदारी तय करता है। हालांकि अभी देश में रीसाइकिलिंग कंपनियों की संख्या बहुत कम है। नए नियमों में ई-कचरे की श्रेणी 21 से बढ़ाकर 95 कर दी गई है। नए ड्राफ्ट के मुताबिक अब ब्रांड या उत्पादक को अपने उत्पादों का एक अनुपात उनकी उत्पादकताखत्म होने के अंत में वापस लेना होगा।

तीसरे विश्व युद्ध में बदलेगी यूक्रेन की जंग, पोलैंड में गिरीं रूसी मिसाइल 2 की मौत; नाटो की बैठक

नई दिल्ली। किसी भी महायुद्ध की शुरुआत किसी एक छोटी घटना से ही होती रही है और दो से अधिक देशों का जंग में उतरना हमेशा इसकी आहट माना जाता है। पहले विश्न युद्ध की बात हो या फिर दूसरे विश्व युद्ध में पोलैंड पर जर्मनी के अटैक की बात हो, दोनें बारल ऐसा ही हुआ था। कुछ ऐसा ही अब यूक्रेन से जंग में भी होता दिख रहा है। यूक्रेन पर रूस के ताबड़तोड़ हमलों के बीच अब पोलैंड भी इसमें कूदता दिख रहा है। दरअसल रूस ने मिसाइलों के जरिए यूक्रेन पर हमला बोला था, जिनमें से कुछ पोलैंड की सीमा में जा गिरीं। इन मिसाइलों के हमले में 2 लोगों की मौत हो गई है। इसके बाद से ही पोलैंड ने अपनी सेना को अलर्ट पर रखा है। खबर है कि रूसी मिसाइलें यूक्रेन की सीमा से 15 किलोमीटर दूर पोलैंड में जाकर गिरीं। इससे पोलैंड के गांव में जोरदार धमाके हुए और दो लोगों की मौत हो गई। पोलैंड नाटो का

सदस्य है और उसने सेना को अलर्ट किया है। यदि इस जंग में पोलैंड उतरता है तो नाटो देश भी उसके समर्थन में होंगे और इस तरह विश्व युद्ध जैसे हालात भी बन सकते हैं। एपी ने अमेरिकी खुफिया अधिकारी के हवाले से कहा कि यह धमाका रूसी मिसाइल के पोलैंड में गिरने से हुआ था। इन दावों की पेंटागन और वाइट हाउस की ओर से जांच की जा रही है। ोलैंड ने कहा है कि रूस में बनी मिसाइल उसके पूर्वी हिस्से में आकर गिरी है और इसके चलते दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं रूस ने पोलैंड के दावे को खारिज किया है और इसे उकसाने वाला करार दिया है। पोलैंड ने रूस के राजदूत को तलब किया है और मिसाइल गिरने पर रिपोर्ट तलब की है। इस बीच नाटो के चीफ जेन्स स्टॉल्टेनबर्ग ने कहा कि यह पता लगाना जरूरी है कि पोलैंड में जानलेवा विस्फोटक कैसे हुआ। रूस ने ऐसे दावे से इनकार किया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि पोलैंड के बयान गलत हैं कि रूसी मिसाइल उनके इलाके में गिरी है। डिफेंस मिनिस्टर ने कहा कि इस तरह के आरोप लगाना गलत है और उकसाने वाला है।

क्यों पोलैंड पर हमले से जेलेंस्की हैं आक्रामक?

इस बीच जो बाइडेन ने ट्वीट कर कहा है कि हम हमले की जांच में पोलैंड का सहयोग करेंगे। इसके अलावा जी-20 बैठक में मौजूद बाइडेन ने समिट से इतर जी-7 देशों की मीटिंग बुलाई है। इसमें पोलैंड पर कथित हमले को लेकर चर्चा की गई है। इस बीच जेलेंस्की ने रूस के हमले को उकसावे की कार्रवाई बताया है। जेलेंस्की ने मिसाइल हमले के दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया, लेकिन कहा कि पोलैंड पर रूस ने मिसाइल अटैक किया है।

डांसर के हुस्न पर फिदा हो गया व्यापारी, हर महीने लाखों की कर डालती थी शॉपिंग; अंत में देनी पड़ी जान

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा से हनी ट्रैप की एक चौकानी वाली वारदात सामने आई है। हरसूद के नामी व्यापारी विनीत अग्रवाल को एक डांसर को दिल देने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। इसकी शुरुआत एक आर्केस्ट्रा पार्टी से हुई। पार्टी में उज्जैन की गुड़िया के डांस पर विनीत फिदा हो गया। पति को तलाक दे चुकी गुड़िया विनीत की प्रापर्टी देखी तो वह लालच में आ गई। मां और बहन के साथ मिलकर गुड़िया विनीत को अपनी जाल में फंसा लिया। शुरुआत में तो विनीत ने भी खूब खर्च किया लेकिन बाद में जब इस पर रोक लगानी चाही तो ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू हो गया। अंत में विनीत ने नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली। सपी विवेक सिंह की अगुआई में में हरसूद एसडीओपी रवींद्र वास्कले और टीआई अंतिम पंवार की टीम पिछले तीन दिनों से व्यापारी विनीत अग्रवाल आत्महत्या कांड को सुलझाने में लगी हुई थी। टीआई ने बताया कि सीडीआर, कॉल डिटेल व परिजन के बयान लिए गए। इससे स्पष्ट हुआ कि, उज्जैन स्थित विराट नगर निवासी गुड़िया उर्फ बिट्टू उर्फ खुशनुमा पठान बहन नरगिस (19) और मां मजहरी की प्रताड़ना से परेशान होकर विनीत ने खुदकुशी कर ली। मंगलवार सुबह तीनों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया है। गुड़िया व नरगिस गिरफ्तार हो चुकी हैं। मां मजहरी फरार है। उसे भी गिरफ्तार किया जाएगा।

डांस गर्ल की विनीत से दोस्ती ने बदल दी थी किस्मत

उज्जैन के चिमनगंज मंडी थाना पुलिस के अनुसार गुड़िया के परिवार में मां-बहनें ही हैं। गुड़िया की शादी राहुल नामक शख्स से हुई थी। उसकी पांच साल की एक बेटी भी है। गुड़िया की ऊंची ख्वाहिशों को राहुल पूरा नहीं कर पा रहा था इसीलिए उनके बीच विवाद होने लगे। फिर इनका तलाक भी हो गया। उसके बाद फिर से तीनों एक हो गई। आर्थिक स्थिति खराब थी। गुड़िया कैटरिंग में काम करने लगी। इसी के साथ वह आर्केस्ट्रा पार्टी से जुड़ गई। वह पार्टियों में डांस करने लगी और डांस गर्ल बन गई।

रुपयों का सिलसिला थमा तो कर दूंगी बदना

विनीत ने कम समय में व्यापार से लेकर शहर में अपनी पहचान बना ली थी। वह लोगों के सामने अपनी शान-शौकत के लिए लाखों रुपए खर्च कर देता था। जिससे कि उसका नाम हो। इधर गुड़िया के हनी ट्रैप में जब विनीत पूरी तरह फंस गया तो वह पत्नी की तरह अधिकार जमाने लगी। शॉपिंग के बिल के भुगतान करते करते विनीत तंग आ गया। बताया जा रहा है कि हर महीने एक से दो लाख रुपए विनीत गुड़िया व उसके परिवार पर खर्च कर देता था। जब उन खर्चों को कंट्रोल करने के लिए विनीत ने कह तो विवाद शुरू होने लगे। उनकी मंशा भांपकर विनीत ने रुपए देने से इनकार कर दिया। इस पर गुड़िया और उसका परिवार विनीत को ब्लैकमेल करने लगा। गुड़िया धमकाने लगी कि मैं हरसूद में आकर हंगामा करूंगी। घर में तेरी पत्नी को बताऊंगी फोटो-वीडियो वायरल कर तेरी इज्जत कर दूंगी। पत्नी मोनिका ने भी पति को गुड़िया व उसकी मां-बहनों द्वारा प्रताड़ित करने का बयान दर्ज करवाया है।

प्रेम के ड्रामे से शुरू हुई कहानी ब्लैकमेलिंग पर खत्म

विनीत के दोस्त लक्की उर्फ ललित शर्मा कैटरर्स हैं। पुलिस को दिए बयान में लक्की ने बताया कि डेढ़ साल पहले मांडू में खाद-बीज कंपनी ने आर्केस्ट्रा पार्टी रखी थी। जिसमें खिरकिया के खाद-बीज व्यापारी विवेक जैन के साथ विनीत भी उसमें शरीक हुए थे। पार्टी में गुड़िया ने डांस किया। गुड़िया के डांस और खूबसूरती का विनीत मुरीद हो गया। दोनों का परिचय हुआ और फिर एक-दूसरे के मोबाइल नंबर लिए।

संपादकीय

महंगी बीमारी

प्रसिद्ध अमेरिकी अर्थशास्त्री विलियम बोमेल (९५ वर्ष की आयु में २०१७ में मृत्यु हो गई) ने १९६० के दशक में आधुनिक अर्थशास्त्रियों को पीड़ित एक नई आर्थिक बीमारी की खोज की, जिसका नाम उनके नाम पर रखा गया: ठबोमेल की लागत रोगठ या ठबोमेल की लागत रोगठ। रोग''। बोमेल तब विशेष रूप से कला के आर्थिक चरित्र की जांच कर रहे थे। उन्होंने पाया कि चार संगीतकारों (जिन्हें 'स्ट्रिंग क्वार्टेट' कहा जाता है, जिनमें दो वायलिन वादक, एक वायोला वादक और एक सेलो वादक शामिल हैं) ने १८६५ में एक विशेष वाद्य यंत्र को बजाने में उतना ही समय लिया जितना उन्होंने १८६५ में लगाया था। वे मजदूरी अर्जित कर रहे थे, उनका वास्तविक १९६५ में मजदूरी उससे कई गुना अधिक थी।

बुमेल द्वारा खोजे जाने का कारण जितना सरल था उतना ही चौंकाने वाला भी था। अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों जैसे 'विनिर्माण' में श्रमिकों की उत्पादकता में लगातार सुधार वाद्य संगीत जैसे सेवा क्षेत्र में काम करने वाले उपरोक्त 'स्ट्रिंग चौकड़ी' के सदस्यों द्वारा अर्जित मजदूरी में इतनी तेज वृद्धि का कारण था। संक्षेप में, निर्माण में आधुनिक तकनीक के प्रयोग से श्रमिकों की उत्पादकता में वृद्धि हुई है और उत्पादों की लागत कम हुई है (माना जाता है, हेनरी फोर्ड द्वारा असेंबली लाइन का आविष्कार करने से पहले, यदि १०० श्रमिक एक दिन में एक कार बनाने के लिए एक साथ काम करते थे, तो वे १०० कार बना सकते थे। असेंबली लाइन के माध्यम से एक दिन)। मजदूरी में भी उल्लेखनीय वृद्धि जारी रही।

संगीत वाद्ययंत्र जैसे सेवा निर्माण क्षेत्र में, हालांकि, किसी भी प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के माध्यम से उत्पादकता में इतनी वृद्धि संभव नहीं है। लेकिन समस्या यह थी कि यदि संबंधित संगीत संस्थानों ने १९६५ में अपने संगीतकारों को १८६५ की दर से उसी दर पर भुगतान किया, तो प्रतिभाशाली संगीतकार पेशे को छोड़कर रेल कारखाने या किसी अन्य समान निर्माण कंपनी में रोजगार की तलाश करेंगे। अजीब संगीतकार जो कम वेतन के लिए काम करने के लिए सहमत होंगे, सीमान के बेसुरा बातन श्रोताओं / दर्शकों को आकर्षित नहीं कर सके। इसलिए संगीत संस्थानों को अपने संगीतकारों को अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों के अनुरूप उच्च वेतन देने के लिए मजबूर होना पड़ता है, अगर उनके अपने क्षेत्र में उत्पादकता में कोई सुधार नहीं होता है। संगीत उद्योग को प्रभावित करने वाला यह लागत संकट बम्बल की लागत बीमारी के रूप में जाना जाने लगा।

यह कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि प्रौद्योगिकी में निरंतर प्रगति की आज की दुनिया में, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादित सामान - स्मार्टफोन से लेकर टी-शर्ट तक - सस्ती बनी रहे, जबकि सेवा क्षेत्र में उत्पादित सेवाएं - स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा , कानूनी सेवाएं, आदि - मूल्यह्रास जारी है। जबकि आज की बेहद महंगी स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा के बोझ से दबी जनता स्वाभाविक रूप से हमारे स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणालियों को दोष देती है, बोमेल की लागत विकृति वास्तविक कारण को समझने में मदद करती है। हालांकि सेवा प्रदाताओं की उत्पादकता में कोई वृद्धि नहीं हुई है, जैसे उपरोक्त 'स्ट्रिंग चौकड़ी' खिलाड़ी, व्याख्याता, शिक्षक, डॉक्टर, नर्स आदि, उनके वेतन में अन्य क्षेत्रों के अनुरूप वृद्धि जारी है और इसलिए उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं जारी हैं। अधिक महंगा हो जाना। इतना कहना पर्याप्त होगा कि जब तक हम डॉक्टरों, नर्सों, व्याख्याताओं, शिक्षकों आदि का काम करने के लिए रोबोट का आविष्कार नहीं कर लेते, तब तक इन सभी कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों से उपलब्ध सेवाएं बाधित और कम आंकी जाती रहेंगी।

हालांकि, बैमल डिसऑर्डर का एक साइड इफेक्ट इसे और गंभीर बनाने के लिए भी दिखाया गया है। अर्थात्, रोजगार के लिए विभिन्न प्रकार के महंगे सहायक बुनियादी ढाँचे का निर्माण, जिसका सेवा वितरण में बढ़ती दक्षता से कोई लेना-देना नहीं है - सुंदर विश्वविद्यालय भवनों से लेकर अस्पताल प्रबंधकों तक - जिनकी लागत अंतत: छात्रों या रोगियों को दी जाती है। प्रतिस्पर्धी बाजार में खुद को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए संगठनों को ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाता है।

बॉमेल के निष्कर्ष बताते हैं कि किसी अर्थव्यवस्था के विनिर्माण क्षेत्र में जितनी अधिक उत्पादकता बढ़ती है, सेवा क्षेत्र में उपलब्ध सेवाएं उतनी ही अधिक लागत प्रभावी होती हैं। इस दृष्टिकोण से, इसमें कोई संदेह नहीं है कि चिकित्सा शिक्षा, जो दो बहुत ही महत्वपूर्ण सेवाओं - स्वास्थ्य और शिक्षा का प्रतिच्छेदन है - बमल के व्यय विकार के उद्भव के लिए सबसे सही लक्ष्य है। इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि भारत में निजी क्षेत्र में उपलब्ध चिकित्सा शिक्षा की लागत छात्रों/माता-पिता के लिए आसमान छू रही है।

क्या कांग्रेस का खेल आप करेगी फेल

सुरेश हिन्दुस्थानी

गुजरात के विधानसभा चुनाव में अबकी बार अलग प्रकार की राजनीति होती दिखाई दे रही है। लम्बे समय से गुजरात में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच ही मुख्य मुकाबला होता था, लेकिन अब गुजरात की चुनावी राजनीति में आम आदमी पार्टी (आप) का प्रवेश भी हो चुका है। हालांकि आप गुजरात में कितना कुछ कर पाएगी, यह फिलहाल केवल संभावनाओं पर ही आधारित है, लेकिन वह कांग्रेस के सपनों पर पानी फेरती दिखाई दे रही है। आप ने जिस प्रकार से दिल्ली और पंजाब में अप्रत्याशित रूप से छप्पर फाड़ समर्थन प्राप्त किया, ऐसा कम ही देखने को मिलता है। यह बात सही है कि गुजरात के मतदाताओं का स्वभाव दिल्ली और पंजाब से मेल नहीं खाता, इसलिए आप गुजरात में सफल हो जाएगी, इसकी गुंजाइश कम ही लगती है, लेकिन कहा जाता है कि राजनीति असंभावित दृश्य को भी संभावित कर सकती है।

इसके पीछे का कारण यह भी है कि देश का मतदाता तात्कालिक लाभ पाने के लिए गुमराह हो जाता है और जहां से मुफ्त का लाभ दिखाई देता है, उसे अपना समर्थन भी दे देता है। वास्तव में मुफ्त देने की राजनीति आम आदमी को निकम्मा बनाने का ही काम करती है। इसके बजाय लोगों को स्वावलंबी बनाने के प्रयास तेज करने का काम सरकार की ओर से किया जाना चाहिए, इसकी देश को बहुत ज्यादा आवश्यकता है। जहां तक भारतीय जनता पार्टी की बात है तो यह बात कहने में कोई संकोच नहीं है कि भाजपा अगर सत्ता पर फिर से विराजमान होती है तो यह उसकी नई उपलब्धि नहीं कही जाएगी, क्योंकि जो पहले से ही प्राप्त है, वह उपलब्धि नहीं होती। इसके अलावा कांग्रेस और आप अपनी ताकत बढ़ाने में सफल होती हैं, तो स्वाभाविक रूप से भाजपा कमजोर ही होगी, यही बात भाजपा को सोचने के लिए विवश कर रही है। इसका आशय यह भी है कि कांग्रेस और आप के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है।

कांग्रेस तो गुजरात में लम्बे समय से विपक्ष की राजनीति करती रही है और अब उसमें आप भी शामिल हो सकती है। वर्तमान में गुजरात की प्रादेशिक राजनीतिक ताकत की बात की जाए तो यह बात सही है कि भाजपा के पास राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर पर चेहरों की संख्या कांग्रेस और आप से कहीं ज्यादा है। इसलिए यह कहा जाना उचित ही होगा कि प्रचार की दृष्टि से भाजपा अन्य दलों से ज्यादा स्थान पर पहुंच सकती है। जिसका राजनीतिक लाभ भी भाजपा को मिल सकता है। दूसरी बात यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मातृभूमि भी गुजरात ही है, इसलिए उनकी हर बात का प्रभाव भी मतदाताओं पर होगा। इसके बाद भाजपा में चाणक्य की भूमिका में स्थापित होते जा रहे गृहमंत्री अमित शाह लम्बी दूरी की योजना बनाने में सफल होते रहे हैं, यह भी गुजरात से ही हैं। जब अमित शाह अन्य स्थानों में पर जाकर वहां राजनीति की बारीकियां समझ लेते हैं तो गुजरात तो उनका गृह प्रदेश है, यहां की पूरी राजनीति की समझ उनको होगी ही, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता।

गुजरात में पिछले चार विधानसभा चुनाव से भाजपा को लगातार बहुमत मिलता आ रहा है, जिसमें कांग्रेस द्वारा पूरा जोर लगाने के बाद भी सत्ता पाने लायक सफलता नहीं मिल सकी। अब कांग्रेस को यह उम्मीद लगने लगी है कि उसे सत्ता विरोधी मत भी प्राप्त हो सकते हैं। इसका कारण यह भी है कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन किया और चुनाव परिणाम के दौरान कई बार ऐसा भी लगने लगा था कि कांग्रेस सत्ता प्राप्त कर सकती है। दूसरी बात यह भी है कि अबकी बार कांग्रेस ने ऐसी सीटों पर ज्यादा फोकस करने की योजना बनाई है, जहां बहुत कम अंतर से कांग्रेस के उम्मीदवार पराजित हुए थे। ऐसे में यही कहा जा सकता है कि कांग्रेस इस चुनाव के प्रति बहुत ही गंभीर दिखाई दे रही है। लेकिन कांग्रेस के लिए इस चुनाव में बड़ी समस्या यह भी है कि उसके पास प्रचार करने वालों में राष्ट्रीय नेता का अभाव है। क्योंकि सोनिया गांधी वर्तमान में राजनीतिक रूप से सक्रिय नहीं हैं और उनके पुत्र राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। इस यात्रा से राहुल को समय मिलेगा, इसकी संभावना कम ही दिखाई देती है। पिछले चुनाव में कांग्रेस को हार्दिक पटेल के आंदोलन का भी लाभ मिला, लेकिन अब हार्दिक पटेल भाजपा को मजबूत करने के लिए राजनीति कर रहे हैं।

जहां तक आम आदमी पार्टी की बात है तो यह कहा जा सकता है कि वह गुजरात में भी बिल्ली के भाग्य से छींका टूटने की प्रतीक्षा करते दिखाई दे रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपनी लुभावनी नीतियों का सब्जबाग दिखाकर मतदाताओं को सम्मोहित कर देते हैं और फिर उसी धारा में आम मतदाता भी बहने लगता है, लेकिन दिल्ली और पंजाब की भांति गुजरात में स्थापित होने का सपना देख रहे अरविंद केजरीवाल के लिए गुजरात इतना सरल नहीं है, जितना वे समझ रहे हैं। लेकिन इतना अवश्य ही कहा जा सकता है कि आम आदमी पार्टी कांग्रेस की संभावनाओं पर पानी फेर सकती है।

गुजरात में क्या होगा, यह कहना अभी जल्दबाजी ही होगी, लेकिन यह भी सही है कि अगर सत्ता के विरोध में हवा का रुख रहा तो भाजपा को फिर से सत्ता प्राप्त करने के लिए अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता होगी। वर्तमान में कांग्रेस की राजनीति सत्ता प्राप्त करने की नहीं रही, वह केवल इतनी ही राजनीति करती है कि भाजपा सत्ता से दूर हो जाए, इसके लिए फिर कोई भी सत्ता प्राप्त कर ले, इस प्रकार की राजनीति को सिद्धान्तहीन राजनीति ही कहा जाता है। इसी प्रकार की राजनीति के कारण ही आज कांग्रेस अपनी दुर्गति करा रही है। राजनीति अपनी नीतियों पर ही की जाती है, वर्तमान में कांग्रेस के पास अपनी स्वयं की कोई नीति ही नहीं है। कांग्रेस द्वारा जो भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है, उसका भी आम जन द्वारा यह कहकर विरोध किया जा रहा है कि देश को कांग्रेस ने ही तोड़ा, फिर वह किस मुंह से भारत को जोड़ने की बात कर रही है। कमोबेश यही स्थिति आम आदमी पार्टी की भी है, उसके अपने कोई सिद्धांत नहीं हैं। वह भी भाजपा विरोधी राजनीति करने को ही राजनीति मानती है। निहितार्थ यही है कि भाजपा कम से कम सिद्धांत और विचार की राजनीति ही करती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

क्रेडा की विभिन्न योजनाओं के प्रति ग्रामीणों में बढ़ती जागरूकता

पुखराज प्राज
छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ गांवों का प्रदेश है ; पंचायत विभाग के अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में त्रि-स्तरीय पंचायतराज संस्थाओं के अंतर्गत ११ हजार ६ सौ ६४ ग्राम पंचायतें हैं। गांव को श्री देसाई जी कुछ इस तरह परिभाषित करते हैं कि, 'गांव ग्रामीण समाज की इकाई है, यह वह रंगमंच है जहां ग्रामीण जीवन का एक प्रमुख भाग स्वयं प्रकट होता है और कार्य करता है।' वहीं प्रो. रवीन्द्रनाथ मुखर्जी गांव की पृष्ठभूमि को उद्घृत करते हुए कहते हैं, "गांव वह समुदाय है, जहां अपेक्षाकृत अधिक समानता, अनौपचारिकता, प्राथमिक समूहों को प्रधानता, जनसंख्या का कम घनत्व होता है।" यानी गांव का परिवेश जो कृषि भूमि से घिरा होता है। गांवों को शहर से जोड़ने वाली सड़क से लेकर गांव के लोगों तक राशन,पानी और निवास के लिए कई योजनाएं संचालित है। गांवों के भ्रमण के दौरान पायेंगे कि गांवों कई जगह सौर-सेल से चलने वाले पंप को स्थापित किया गया है। लेकिन लोगों में या कहें अशिक्षित या कम जानकार लोगों तक ये योजनाओं की पतासाजी कम है।

अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों एवं ऊर्जा संरक्षण गतिविधियों से संबंधित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु ऊर्जा विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार के अधीन वर्ष २००१ के २५ मई को क्रेडा यानी छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण का गठन किया गया है। यह सोसाइटी अधिनियम १९७३ के तहत पंजीकृत निकाय ऊर्जा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन से पंजीकृत है। क्रेडा को राज्य सरकार द्वारा राज्य नोडल एजेंसी के रूप में स्थापित किया गया है। ऊर्जा के गैर-पारंपरिक और नवीकरणीय स्त्रोतों के विकास और संवर्धन के लिए। भारत सरकार के गैर-पारंपरिक और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत (एमएनआरई) मंत्रालय द्वारा प्रायोजित बायोगैस विकास, सौर तापीय, सौर फोटोवोल्टिक, दूरस्थ ग्राम विद्युतीकरण और बायोमास गैसीफायर पर राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसी अधिकांश योजनाएं क्रेडा द्वारा कार्यान्वित की जाती हैं।

उद्देश्यपूर्ण लक्ष्यों की बात करें तो,राज्य में विभिन्न नई और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोगों को लोकप्रिय बनाने के लिए आवश्यक नीतियों और कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है। ऊर्जा के गैर-परंपरागत और नवीकरणीय स्त्रोतों का विकास और लोकप्रियकरण और ऊर्जा संरक्षण गतिविधियों और ऊर्जा दक्षता के नए और नवीकरणीय स्त्रोतों के क्षेत्रों में कार्यक्रमों या प्रदर्शन परियोजनाओं को प्रायोजित, समन्वयित और बढ़ावा देना है। केंद्र और राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ समन्वय में ईसी अधिनियम २००१ के अधिदेशों को सक्रिय रूप से पूरा करना है। क्रेडा ने सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए बुनियादी ढांचे के विकास में पिछले ११ वर्षों के दौरान ४०० करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिसके परिणामस्वरूप ४० मेगावाट बिजली गैर पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों से उत्पन्न हुई है।

योजनाओं के सुनहरे रोडमैप तो हैं लेकिन जानकारी और अशिक्षा के चलते ग्रामीण लोगों को समय पर जानकारी नहीं मिल पाता है। वर्तमान समय में ऐसे कई उदाहरण है जो योजनाओं और हितग्राहियों के बीच लम्बी दूरी को प्रदर्शित करते हैं। लेकिन उन कर्मठ ब्यूरोक्रेट्स और कार्मिकों की सराहना करना आवश्यक है जो इन योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए आम लोगों और योजनाओं की जानकारी के बीच कनेक्टिंग ब्रिज के रूप में कार्य करते हैं।

धर्म के नाम पर जारी अधर्म

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारत में कोई स्वेच्छा से अपना धर्म बदलना चाहे तो यह उसका मौलिक अधिकार है लेकिन मैं पूछता हूं कि ऐसे कितने लोगों को आपने कोई नया धर्म अपनाते हुए देखा है, जिन्होंने उस धर्म के मर्म को समझा है और उसे शुद्ध भाव से स्वीकार किया है ? ऐसे लोगों की आप गणना करना चाहें तो उनमें महावीर, बुद्ध, ईसा, मुहम्मद, शंकराचार्य, गुरुनानक, महर्षि दयानंद जैसे महापुरुषों के नाम सर्वाधिक अग्रगण्य होंगे। लेकिन दुनिया के लगभग ९० प्रतिशत लोग तो इसीलिए किसी पंथ या धर्म के अनुयायी बन जाते हैं, क्योंकि उनके माता-पिता उसे मानते थे।

सारी दुनिया में ऐसे ५-७ प्रतिशत लोग ढूंढना भी मुश्किल हैं, जो वेद, जिंदावस्ता, आगम ग्रंथ, त्रिपिटक, बाइबिल, कुरान या गुरूग्रंथ पढ़कर हिंदू या पारसी या जैन या बौद्ध या ईसाई या मुसलमान या सिख बने हों। जो थोक में धर्म परिवर्तन होता है, उसके लिए या तो विशेष परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं या फिर धर्म परिवर्तन का कारण होता है- लालच, भय, जबर्दस्ती, ठगी, मजबूरी। ईसाइयत और इस्लाम का दुनिया में फैलाव ज्यादा करके इसी आधार पर हुआ है। जिन्होंने पश्चिम एशिया और यूरोप का इतिहास ध्यान से पढ़ा है, उन्हें इन मजहबों की करुण कथा विस्तार से पता है।

भारत जैसे प्राचीन राष्ट्रों में ज्यादातर धर्मांतरण डंडे या थैली या कुर्सी के जोर पर हुआ है, जैसा कि आजकल राजनीतिक दलबदल होता है। इसी के विरुद्ध हमारे सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से पूछा है कि वह इस अनैतिक धर्मांतरण को रोकने के लिए क्या उपाय कर रही है ? वास्तव में धर्मांतरण विरोधी कानून तमिलनाडु, ओडिशा और म.प्र. की सरकारों ने बनाए हैं लेकिन इनमें और अन्य प्रदेशों में भी ढेरों संगठनों का बस एक ही काम है- लोगों को ईसाई और मुसलमान बनाओ। उन्हें ये पादरी और मौलवी ईसा और मुहम्मद के सन्मार्गों पर चलने की उतनी सीख नहीं देते, जितनी अपना संख्या बल बढ़ाने पर देते हैं।

वे धर्म का नहीं, राजनीति का रास्ता पकड़े हुए हैं। यह वही रास्ता है, जो मुस्लिम बादशाहों और अंग्रेज शासकों ने अपने जमाने में भारत में चला रखा था। इसीलिए गांधीजी ने १९३५ में कहा था- 99अगर मैं कानून बना सकूं तो मैं धर्मांतरण पर निश्चित ही रोक लगा दूंगा।''" यदि कोई अपने धर्म के सिद्धांतों का प्रचार करना चाहे तो उसको उसकी पूरी छूट होनी चाहिए, जैसे कि १०० साल पहले तक भारत में विद्वानों के बीच खुलकर शास्त्रार्थ हुआ करते थे लेकिन आजकल धर्म की चर्चा सिर्फ आदिवासियों, गरीबों, पिछड़ों, ग्रामीणों और दलितों के बीच ही होती है, क्योंकि उन्हें ठगना, बेवकूफ बनाना और लालच में फंसाना आसान होता है।

कभी नहीं भूल सकता लाला लाजपत राय का बलिदान

शिवकुमार शर्मा

किसी भी व्यक्ति के कार्यों का समापन भी उसके संसार से विदा लेने के साथ ही हो जाता है, परंतु उसके द्वारा समाज के लिए किए गए त्याग, समर्पण, बलिदान और सामाजिक योगदान उसे अमर बनाते हैं। भारत की आजादी की जंग में अंग्रेज सरकार से जूझने वाले सेनानियों में लाल, बाल, पाल का नाम अग्रगण्य है। यह बताना प्रासंगिक होगा कि लाला लाजपत राय का जन्म अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत में हुआ जो अब पाकिस्तान में है। बाल गंगाधर तिलक का जन्म महाराष्ट्र के रत्नागिरि एवं बिपिन चंद्र पाल का जन्म अविभाजित भारत के हबीबगंज सदर उप जिला अंतर्गत हुआ जो अब बांग्लादेश में है। इस प्रकार लाल, बाल, पाल तीनों नाम एक साथ होने पर किन्हीं तीन व्यक्तियों के एक साथ होने मात्र की जानकारी ही नहीं देते अपितु तत्कालीन अखंड भारत का बोध कराते हैं।

इन तीन विभूतियों में से एक लाला लाजपत राय ने १८ जनवरी १८६५ में पंजाब में (अविभाजित भारत) उर्दू फारसी के सरकारी शिक्षक मुंशी राधाकृष्ण अग्रवाल और गुलाबदेवी अग्रवाल के यहां जन्म लिया। प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च मध्य विद्यालय रेवाड़ी में हुई। पिता उन्हें वकील बनाना चाहते थे। इसलिए कानून की पढ़ाई के लिए १८८० में लाहौर के कॉलेज में प्रवेश लिया। वहां उनकी भेंट राष्ट्रवादी लाला हंसराज और पं. गुरुदत्त से हुई। कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद १८८४ में अपने पिता के पास रोहतक आ गए और वकालत करने लगे। हिसार के अलावा लाहौर उच्च न्यायालय में भी वकालत की। १९१४ में वकालत छोड़कर दयाल सिंह के साथ मिलकर पंजाब नेशनल बैंक तथा लक्ष्मी बीमा कंपनी भी स्थापित की। इस बीमा कंपनी का १९५६ में भारतीय जीवन बीमा निगम में विलय कर दिया गया। सर्वेंट्स ऑफ द पीपल सोसाइटी (लोक सेवा मंडल) जैसे सामाजिक संगठन को स्थापित किया।

बचपन से ही देशसेवा की ललक थी। वो इटली के महान क्रांतिकारी जोसेफ मेजिनी को अपना राजनीतिक गुरु मानते थे तथा स्वामी दयानंद से अत्यधिक प्रभावित थे। उन्होंने पंजाब में आर्य समाज को लोकप्रिय बनाया एंग्लो वैदिक विद्यालयों का प्रसार किया। यह विद्यालय वर्तमान में डीएवी स्कूल व कालेज के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने यंग इंडिया, दुखी भारत, भारत पर इंग्लैंड का कर्ज, आर्य समाज, भारत का राजनीतिक भविष्य, भगवत गीता का संदेश, भारत की राष्ट्रीय शिक्षा की समस्या और संयुक्त राज्य अमेरिका एक हिंदू प्रभाव आदि पुस्तकों के साथ मैजिनी, गैरीबाल्डी, शिवाजी और श्रीकृष्ण की जीवनी लिखीं। इसके बाद आर्य समाज के समाचार पत्र आर्य गजट के संस्थापक संपादक बने। वे हिंदू समाज में जाति व्यवस्था और छुआछूत को समाप्त करने के हिमायती थे। पिछड़ी जातियों के लोगों को वेद और मंत्र पढ़ने का अधिकार देने के पक्षधर थे। मां क्षय रोग से पीड़ित थीं। इसलिए आम जनता के मुफ्त इलाज की व्यवस्था हेतु गुलाब देवी चेस्ट हॉस्पिटल खोला। वर्तमान में गुलाब देवी मेमोरियल अस्पताल पाकिस्तान के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक है। वे भारत की पूर्ण स्वतंत्रता की मांग करने वाले नेताओं में से एक थे। उनकी क्रांतिकारी लेखनी और ओजस्वी वाणी दोनों ने उनके प्रभाव का विस्तार किया। किसान आंदोलन का समर्थन करने के कारण फिरंगी सरकार ने १९०७ में बर्मा की मांडले जेल में भेज दिया। लॉर्ड मिंटो सबूत पेश नहीं कर पाया तो उसी वर्ष वापस स्वदेश आ गए। वे अमेरिका गए। वहां उन्होंने इंडियन होम रूल लीग, मासिक पत्रिका यंग इंडिया तथा हिंदुस्तान सूचना सेवा संघ की स्थापना की। भारत आकर सक्रिय राजनीति में भाग लिया। उन्हें पंजाब केसरी का संबोधन मिला।उनका मानना था कि जीत की ओर बढ़ने के लिए हार और असफलता कभी-कभी आवश्यक घटक होते हैं। जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद अंग्रेजों के विरुद्ध प्रदर्शन किया। असहयोग आंदोलन का पंजाब में नेतृत्व किया। इसके फलस्वरूप १९२१ से १९२३ के बीच लाला जी को जेल में डाल दिया गया। साइमन कमीशन का विरोध किया तो अंग्रेजों ने आंदोलनकारियों पर क्रूरतापूर्वक लाठियां बरसाईं। लालाजी बुरी तरह घायल हो गए। उन्होंने कहा- मैं घोषणा करता हूं कि आज मुझ पर हुआ हमला भारत में ब्रिटिश शासन के ताबूत मेंआखिरी कील साबित होगा। इसके बाद १७ नवंबर १९२८ को भारत मां के इस वीर सपूत ने देश की स्वतंत्रता के लिए प्राणों की आहुति दे दी।

रेगिस्तान के जहाज' के संरक्षण की पहल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राजस्थान सरकार एक बार फिर 'रेगिस्तान के जहाज' ऊंट के संरक्षण और विकास के लिए गंभीर नजर आने लगी है। दरअसल राजस्थान ही नहीं देश में ऊंटों की संख्या दिन प्रतिदिन कम होती जा रही है। देश में ऊंटों की घटती संख्या पर सरकारों से लेकर गैरसरकारी संगठन तक गंभीर हैं। ऊंट को कुछ साल पहले राजस्थान का राज्य पशु घोषित किया गया था। अब तक ऊंटों के संरक्षण और तस्करी से बचाने के लिए लाख प्रयास किए गए पर परिणाम अधिक उत्साहजनक नहीं रहे हैं। अब राजस्थान में मादा ऊंट व बच्चे की पहचान पर पशुपालक को दो किस्त में दस हजार रुपये प्रोत्साहन स्वरूप दिए जाएंगे। इस अभिनव योजना में पशु चिकित्सक द्वारा मादा ऊंट व बच्चे को टैग लगाकर पहचान पत्र दिया जाएगा। इस पहचान को दिए जाने के बाद संबंधित पशुपालक को पांच हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके बाद जब ऊंट का बच्चा एक वर्ष का हो जाएगा तब उसके टैग को दिखाने पर दूसरी किस्त के पांच हजार रुपये दिए जाएंगे। पशु चिकित्सक को भी इसके लिए ५० रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए दस करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

कुछ साल पहले गैर सरकारी संगठन पीपुल फॉर एनीमल्स ने ऊंटों की कम होती संख्या पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सरक्षण का आग्रह किया था। इसके बाद तत्कालीन राज्य सरकार ने ऊंटों के संरक्षण के लिए ब्रीडिंग की कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिए थे। ऊंटों की ब्रीडिंग के लिए दुबई के विशेषज्ञों से सलाह ली जाती रही। एक समय ऊंट को रेगिस्तान के जहाज के रूप में जाना जाता था। आज भी रेगिस्तान में ऊंट का कोई विकल्प नहीं हैं। पिछले वर्षों में ऊंट की तस्करी व वध से ऊंटों की संख्या में निरंतर कमी होती रही है। ऊंट को रेगिस्तान की जीवन रेखा माना जाता रहा है। ऊंटों का खेती में उपयोग करने के साथ ही आवागमन के साधनों के रूप में प्रमुखता से उपयोग रहा है। कोरोनाकाल से पहले तक पुष्कर में भरने वाले सालाना अन्तरराष्ट्रीय मेले का एक प्रमुख आकर्षण ऊंट रहने के साथ ही इस मेले में अन्य पशुओं के साथ ही ऊंटों की भी प्रमुखता से बिक्री होती रही है। राज्य में तीन दशक पहले ऊंटों की संख्या लगभग आठ लाख थी जो निरंतर कम होती जा रही है। जानकारों का कहना है कि ऊंटों की संख्या घटते-घटते अब २५ प्रतिशत से भी कम रह गई है। वास्तव में यह चिंतनीय है।

राज्य सरकार ने पश्चिमी राजस्थान में ऊंट प्रजनन केन्द्र खोला है। इसके लिए अन्तरराष्ट्रीय मानकों का ध्यान रखने का निर्णय करते हुए दुबई के संस्थाओं से संपर्क व उनकी भागीदारी तय करने का सकारात्मक निर्णय भी किया है। ऊंटों की ब्रीडिंग के लिए दुबई में ऊंट प्रजनन केन्द्र हैं। यही कारण है कि सरकार ने ऊंटों की नस्ल सुधार व बेहतर सेवाओं के लिए दुबई की कंपनियों का आंमत्रित किया है। पिछले कुछ समय से ऊंट के दूध के व्यावसायिक उत्पादन और निर्यात की संभावनाओं पर भी काफी पढ़ने को मिला है। ऐसे में ऊंट की नस्ल सुधार, नस्ल संरक्षण और ऊंट की संख्या में निरंतर होती कमी को दूर करने के लिए राज्य सरकार को कार्ययोजना बनाकर काम करने का निर्णय सराहनीय है। ऊंट के दूध के व्यावसायिक उत्पादन के साथ ही ऊंट के दूध की निर्यात संभावनाओं को अमली जामा पहनाना होगा। बीकानेर के विश्वविद्यालय को इस दिशा में आगे आकर रेगिस्तान के जहाज की घटती संख्या को रोकने के लिए कारगर उपाय सुझाने होंगे। ऊंटों की संख्या में कमी का प्रमुख कारण इनकी तस्करी माना जा रहा है। बांग्लादेश व खाड़ी देशों में ऊंटों की काफी मांग है। कहा जाता है कि वहां ऊंटों की कीमत नस्ल के अनुसार मर्सडीज कार के बराबर तक है। राजस्थान से ऊंटों की काफी अधिक संख्या में निकासी अन्य प्रदेशों को हो रही है। इसके अलावा ऊंटों का वध भी अधिक हो रहा है। ऊंट के मांस की मांग बांग्लादेश और खाड़ी के देशों में अधिक है। ऊंट को राजकीय पशु घोषित किए लंबा समय हो चुका है। अब सरकार एक बार फिर गंभीर हुई है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नवीन ने एमएमएसपीवाई के तहत प्रति वर्ष १०० करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार लॉन्च किया

भुवनेश्वर: ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बुधवार को मुख्यमंत्री शिक्षा पुरस्कार योजना (एमएमएसपीवाई) के तहत राज्य में ५टी योजनाओं के तहत रूपांतरित स्कूलों के लिए प्रति वर्ष १०० करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की शुरुआत की।
इस योजना के तहत छात्रों, शिक्षण संस्थानों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, सरपंच, स्कूल प्रबंध समिति और पुराने छात्रों को उनकी उत्कृष्टता और योगदान के लिए पुरस्कार दिया जाएगा।
पुरस्कार ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर ५०,००० छात्रों, १५०० प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, स्कूल प्रबंध समिति, सरपंचों और पुराने छात्रों को दिया जाएगा।
यह घोषणा यहां राजकीय हाई स्कूल यूनिट-९ में आयोजित बाल दिवस समारोह के समापन अवसर पर की गई।
पटनायक ने एचएससीई और सीएचएसई छात्रों के लिए डिजी लॉकर सिस्टम भी लॉन्च किया। इस वर्चुअल लॉकर में विद्यार्थियों के प्रमाण पत्र, अंक पत्र एवं अन्य दस्तावेज सुरक्षित रूप से रखे जा सकते हैं तथा आसानी से उपलब्ध कराये जा सकते हैं तथा इस व्यवस्था में चोरी अथवा खो जाने की कोई सम्भावना नहीं रहेगी।
इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों के लिए समय महत्वपूर्ण है, अगर छात्र सही समय पर सही काम करते हैं तो वे आगे रह सकते हैं।
उन्होंने छात्रों का आह्वान किया कि वे पढ़ाई के साथ-साथ नृत्य, गायन और खेलकूद में भी उत्कृष्टता प्राप्त करें और अपनी एक पहचान बनाएं।
पटनायक ने छात्रों को आपस में वैज्ञानिक अभिरुचि विकसित करने, समय के साथ चलने, परिवर्तन को स्वीकार करने और समय की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार होने की सलाह दी। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपनी जिम्मेदारी को न भूलें और जीवन में उनके विकास में बहुत योगदान देने वाले शिक्षकों, परिवार, अपने गांव और स्कूल का सम्मान करें।

ओडिशा में उद्योगपतियों के हाथ में है जंगल जमीन, वापस नहीं लाए तो होगा आन्दोलन: कांग्रेस

भुवनेश्वर:ओडिशा सरकार का उद्योगपति प्रेम अब सबके सामने आ गया है। राज्य सरकार जंगल जमीन को उद्योगपतियों को औने-पौने दामों पर दे रही है। इससे उक्त स्थान पर रहने वाले वन्यप्राणियों के आवास समाप्त हो जाएंगे, यह जानने के बाद भी सरकार को इसकी तनिक भी चिंता नहीं है।
कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि राज्य सरकार तत्काल अपनी इस नीति को वापस ले और उक्त परियोजना को अन्यत्र स्थानांतरित करें, वरना कांग्रेस आंदोलन करने को मजबूर हो जाएगी।
कांग्रेस भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में पार्टी नेता देवाशीष पटनायक ने कहा कि राज्य सरकार ने 'कटक आग्रोवेट नामक कंपनी को भुवनेश्वर से १५ किलोमीटर दूर मौजूद २६ एकड़ वन भूमि को महज ६७ लाख रुपये में दी है। उक्त कंपनी का मालिक दिल्ली में रहता है।
उक्त जंगल में बहुत सारे जंगली जानवर रहते हैं जबकि हाथी भी विचरण करते हैं। यदि यहां कोई उद्योग लगता है तो उससे निकलने वाले धुएं और धूल का असर पक्षियों के आवास और जीवन पर पड़ेगा। राज्य सरकार ने एक झूठी पल्ली सभा करके ऐसी परियोजना को मंजूरी दी है। कांग्रेस ने सवाल किया है कि ऐसी परिस्थिति में यहां उद्योग को अनुमति कैसे मिल गई।
कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि अगर परियोजना को तुरंत दूसरी जगह स्थानांतरित नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस; स्वतंत्र प्रेस एक मजबूत लोकतंत्र के चार स्तंभों में से एक है

जाजपुर; एक स्वतंत्र और स्वतंत्र प्रेस एक मजबूत लोकतंत्र के चार स्तंभों में से एक है। भारत में एक स्वतंत्र और स्वतंत्र प्रेस के महत्व को उजागर करने के लिए हर साल १६ नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। भारतीय प्रेस परिषद एक स्वतंत्र संस्था है। प्रेस दिवस भारत को लोकतंत्र बनाने में उनके योगदान का सम्मान करने के लिए भी मनाया जाता है।
यह दिन भारत में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की उपस्थिति का प्रतीक है। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। कहा जाता है कि पत्रकार समाज का आइना होते हैं, जो विपरीत परिस्थितियों में भी सच सामने लाते हैं। यह दिन प्रेस की स्वतंत्रता और समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारियों का प्रतीक है। भारतीय प्रेस परिषद ने इस दिन कार्य करना शुरू किया था। प्रथम प्रेस आयोग १९५६ ने भारत में पत्रकारिता की नैतिकता और प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए एक समिति की कल्पना की। इसने १० साल बाद एक प्रेस परिषद का गठन किया। भारतीय प्रेस परिषद विश्वसनीयता बरकरार रखने के लिए सभी पत्रकारिता गतिविधियों की निगरानी करती है। भारतीय प्रेस परिषद देश में एक स्वस्थ लोकतंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
यह यह भी सुनिश्चित करता है कि भारत में प्रेस किसी बाहरी मामले से प्रभावित न हो। ग्रामीण विकास, कौशल विकास एवं तकनीकी मंत्री प्रीतिरंजन घदाई ने कहा कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस का अवसर हमें याद दिलाता है कि प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के कारण ही देश में एक जिम्मेदार प्रेस है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं। जाजपुर के विधायक और बीजद के राज्य संगठन सचिव प्रणब प्रकाश दास ने कहा कि अगर किसी देश में जिम्मेदार और कर्तव्यपरायण प्रेस नहीं है, तो देश प्रगति और समृद्धि नहीं कर सकता है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस की बहुत-बहुत बधाई। आईएएस डॉ. सुरेश चंद्र दलाई ने कहा कि न केवल वर्तमान बल्कि देश का भविष्य भी काफी हद तक प्रेस के हाथों में है।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस की हार्दिक बधाई। सामाजिक कार्यकर्ता रचिता मिश्रा ने कहा कि आइए हम सभी प्रेस पेशेवरों को अपना काम करने और दुनिया भर की नवीनतम घटनाओं के साथ हमारी सेवा करने के लिए धन्यवाद देते हुए राष्ट्रीय प्रेस दिवस का अवसर मनाएं। एडीएम अक्षय कुमार मल्लिक ने कहा कि प्रेस एक है वह चीज जो हमें दुनिया से जोड़ती है और इसलिए हमें उसका शुक्रिया अदा करना चाहिए। राष्ट्रीय प्रेस दिवस की हार्दिक बधाई।समाजसेवी हिमांशु शेखर साहू ने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता का जश्न मनाए बिना राष्ट्रीय प्रेस दिवस का समारोह अधूरा है। सभी को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

बिरसा मुंडा १४७वा जन्म जयंती पर खनन क्षेत्र बोलानी और गुआली में पुष्पमाला अर्पण कर दिए श्रद्धांजलि

बड़बिल:केंदूझर जिला खनन क्षेत्र के कई जगह पर महान आदिवासी स्वतंत्रता संग्रामी बिरसा मुंडा का १४७वा जन्म जयंती पालन किया गया। बड़बिल तहसील अंतर्गत भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) बोलानी टाउनशिप स्थित बिरसा चौक में बोलनी जनजाति समाज और बिरसा मुंडा क्लब की तरफ से जयंती की पालन किया गया। इस अवसर पर सेल महाप्रबंधक सीसी दुरुचरण हेम्ब्रम सम्मनित अतिथि बालगोदा सरपंच गौरी खूंटिआ, महाप्रबंधक सिविल उमेश खूंटिआ, खान प्रबंधक बिभूतिनारायण सिंह से साथ कई पदाधिकारी शामिल थे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाजपा के पुर्व प्रदेश महासचिव तथा वरिष्ठ नेता मुरली शर्मा अपने पार्टी कार्यकर्ताओं संग महान स्वरंत्रता संग्रामी बिरसा मुंडा जी का प्रतिमा पर फूल माला चढ़ा कर श्रद्धांजलि दिए।
वैसे ही जोड़ा प्रखंड गुआली पंचायत का गंधलपदा में भारत सरकार का सांस्कृतिक मंत्रणालय और कलिंग इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल साइंस (किस) का सहयोग से गंधलपदा आदिवासी हो समाज बिकास समिति द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस अवसरपर मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी तथा गुआली पंचायत के पूर्व सरपंच डबर मुंडा, सम्मानित अतिथि के रूप में टाटा स्टील फाउंडेशन के यूनिट हेड संजय सरदार और जोड़ा ब्लॉक के पुर्व अध्यक्ष गिरिधारी नायक उपस्थित थे। गंधलपदा आदिवासी हो समाज बिकास समिति के कार्यकर्ता और ग्रामीण मोह्जुद थे।

ईस्ट कोस्ट रेलवे महाप्रबंधक द्वारा पुरी रेलवे स्टेशन की निगरानी और पुनर्विकास कार्य की समीक्षा

भुवनेश्वर: ईस्ट कोस्ट रेलवे के मुख्य संपादक श्री रूप नारायण सुनकर ने आज पुरी का दौरा किया और पुरी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और पुनर्विकास कार्य की समीक्षा की.
श्री सुनकर ने पुरी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते हुए यात्रियों को प्रदान की जाने वाली बुनियादी सुविधाओं और जरूरतों पर जोर दिया श्री सुनकर ने अधिकारियों को सलाह दी कि वे इस बात पर ध्यान दें कि ये सुविधाएं सभी श्रेणियों के यात्रियों को कैसे प्रदान की जा सकती हैं उन्होंने यात्रियों की आरामदायक यात्रा के लिए स्टेशन के पुनर्विकास के साथ-साथ गरीब और निम्न आय वर्ग के यात्रियों को सुहैला जैसी यात्री सेवाएं उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए जरूरी विशाल मूविंग एरिया, कॉन्कोर्स, प्लेटफॉर्म, लाइटिंग, यात्री प्रतीक्षालय, शौचालय, एस्केलेटर, लिफ्ट आदि की उपलब्धता को प्राथमिकता दें।
समीक्षा बैठक में सुनकर ने परियोजना क्रियान्वयन प्रणाली में सुधार के लिए रेलवे अधिकारियों की प्रशंसा की इस बैठक में ईस्ट कोस्ट रेलवे के मुख्य परियोजना अधिकारी (निर्माण) श्री अमर प्रकाश द्विवेदी, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री आर. समीक्षा बैठक में राजा गोपाल एवं खुर्दा रोड रेलवे मंडल रेल संपादक श्री रिंकेश राय सहित मुख्यालय एवं रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया.

प्रधान ने तोमर से ओडिशा सरकार द्वारा प्रस्तुत सीसीई डेटा की जांच करने का आग्रह किया

भुवनेश्वर: केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से अनुरोध किया है कि वह ओडिशा सरकार द्वारा प्रस्तुत फसल कटाई प्रयोग डेटा (सीसीई) में हेराफेरी के आरोप की व्यक्तिगत रूप से जांच करें।
प्रधान ने तोमर को लिखे एक पत्र में उनसे पीएमएफबीवाई के कामकाज की जांच करने और राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा कथित कदाचार और पीएमएफबीवाई के तहत विशेष रूप से बारगढ़ जिले में निजी बीमा कंपनियों के आचरण की जांच करने का अनुरोध किया।
केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें २०२१ खरीफ सीजन के लिए पीएमएफबीवाई के तहत ओडिशा सरकार द्वारा सूचीबद्ध बीमा कंपनी मैसर्स एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा भुगतान किए गए बीमा की समीक्षा के लिए विभिन्न किसान समूहों से याचिकाएं मिली हैं।
उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि बरगढ़ जिले के पदमपुर, झारबांध, गैसीलोत, सोहेला और बीजापुर ब्लॉक में फसल बीमा की जिम्मेदारी सौंपी गई कंपनी ने २०२१ खरीफ के दौरान सूखे के कारण फसल के नुकसान के लिए बहुत कम बीमा राशि का भुगतान किया है।
प्रधान ने कहा, बीमा राशि का कम भुगतान, राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा दोषपूर्ण सीसीई डेटा और बीमा कंपनी द्वारा उपज डेटा में हेरफेर के कारण है।
उन्होंने आगे आरोप लगाया कि बीमा कंपनी और अधिकारियों के हितों के अनुरूप सीसीई डेटा अवैज्ञानिक तरीके से संचालित किया गया था और मामले की गहन जांच का अनुरोध किया।

सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र द्वारा अक्टूबर में लागत जागरूकता अभियान संवेदीकरण" के तहत १५० से अधिक कार्मिक शामिल

राउरकेला: सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र के १२ विभागों के अधिकारियों सहित १६२ कर्मचारियों को अक्टूबर २०२२ के महीने में लागत जागरूकता अभियान में शामिल किया गया। जिन विभागों में कार्यक्रम आयोजित किया गया, उनमें पाइप प्लांट, स्टील मेल्टिंग शॉप-१ और २, कैल्सिनिंग प्लांट-२, एल.डी.बी.पी., हॉट स्ट्रिप मिल-१, कोक ओवन, सिंटरिंग प्लांट, ब्लास्टफर्नेस, प्लेट मिल, स्पेशल प्लेट प्लांट और न्यू प्लेट शामिल हैं।
लागत संवेदीकरण कार्यक्रम में दी गई जानकारी में आर.एस.पी. द्वारा सामना किए जा रहे मौजूदा मुद्दों जैसे बिक्री लागत लाभप्रदता, आयातित कोयले की लागत में वृद्धि औरइस्पात उत्पादों पर सीमा शुल्क लगाने आदि पर प्रकाश डाला गया। व्यक्तिगत विभागों केवास्तविक प्रदर्शन की तुलना में लागत में कमी की योजना ए.बी.पी. लक्ष्य, पिछले तीन वर्षों के तकनीकी-आर्थिक पैरामीटर और पिछले महीने के

निष्पादन के संबंध में लागत तुलना और भिन्नता विश्लेषण के विशेष संदर्भ में विचार-विमर्श के दौरान चर्चा की गई। बेहतर समग्र जानकारी के लिए प्रतिभागियों को उत्पाद लाभप्रदता विवरण भी समझाया गया।इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आर.एस.पी. के लाभ को बढ़ावा देने और प्रत्येक व्यक्ति को वांछित परिणाम प्राप्त करने में उसकी भूमिका का एहसास कराने में मदद करने के लिए अपरंपरागत स्रोतों के माध्यम से प्रक्रिया अनुकूलन, व्यय नियंत्रण और राजस्व सृजन करना है। इसका उद्देश्य चरणबद्ध तरीके से अधिक से अधिक संख्या में कर्मचारियों को शामिल करना है। महा प्रबंधक, श्री पी.विजयन, उप महा प्रबंधक, श्री आर.आर.षडंगी, उप महा प्रबंधक, श्री के.के.वर्मा, सहायक महा प्रबंधक, श्री एन.सी.दास, प्रबंधक, श्री विश्वजीत पाल, प्रबंधक, श्री हरीश अग्रवाल और वित्त एवं विभाग के सहायक प्रबंधक, सुश्री सुमीत कौर द्वारा विभिन्न
स्थानों पर सत्र संचालित किए गए। इनमें से प्रत्येक सत्र की अध्यक्षता विभागाध्यक्षों द्वारा की गई। समग्र कार्यक्रम उप महा प्रबंधक, वित्त एवं लेखा, श्री एस.सी.साहू द्वारा संचालन किया गया।

विप्र फाउंडेशन की महिलाओं ने आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के बीच मनाया बाल दिवस

राजेश दाहिमा

राजगांगपुर:शहर की सुप्रसिद्ध संस्था विप्र फाउंडेशन की महिला सेल की अध्यक्षा श्रीमती सीमा उत्तम शर्मा के नेतृत्व में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के बीच बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया। मौके पर विप्र फाउंडेशन की महिला सेल की अध्यक्षा श्रीमती सीमा उत्तम शर्मा ने अपने अंदाज में उपस्थित आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को बताया कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को बच्चों से बहुत प्यार था।उनका कहना था कि देश का भविष्य में बच्चे ही है और इन्हें शिक्षा देने के साथ अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी अभिभावकों की है।
बच्चों का मनोबल और उत्साह बढ़ाने के मद्देनजर विप्र फाउंडेशन की महिला सेल की ओर से बच्चों के बीच मिठाई, स्टेशनरी समान सहित ढंग के मौसम में बच्चों को राहत प्रदान करने के लिए वेसलीन का वितरण किया गया।
इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन महिला सेल की उपाध्यक्ष ईशा शर्मा, कोषाध्यक्ष श्रीमती शोभा शर्मा, सचिव श्रीमती रोशनी चंदन शर्मा सहित अन्य सदस्य गण मौजूद रहकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

सहायक कार्यपालक अभियंता गिरफ्तार, छह करोड़ की संपत्ति का खुलासा

भुवनेश्वर: सतर्कता विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को मयूरभंजा जिले के उदला सब डिवीजन के आरडब्ल्यूएस एंड एस के सहायक कार्यकारी अभियंता रबी नारायण पांडा को उनके और उनके परिवार के कब्जे से छह करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति का पता चलने के बाद गिरफ्तार कर लिया। सदस्य।
पांडा को विशेष न्यायाधीश सतर्कता भुवनेश्वर की अदालत में भेज दिया गया।
सतर्कता सूत्रों ने कहा कि पांडा, उनके पति और बेटे के खिलाफ पीसी (संशोधन) अधिनियम, २०१८ द्वारा संशोधित धारा १३(२) आर/डब्ल्यू १३(१)(बी)/१२ पीसी अधिनियम, १९८८ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जेएसडब्लू नुआगांव लौह अयस्क खान का पर्यावरण जनसुनवाई

केंदूझर:केंदूझर जिला गुआली पंचायत स्थित नुआगांव लौह अयस्क खदान के क्षमता विस्तार के लिए आगे की पर्यावरण मंजूरी के लिए जनसुनवाई हुई। नुआगांव खदान के आसपास के ग्रामीण मुलभुत सुबिधा शिक्षा, स्वस्थ, पेयजल, पक्की सड़क और प्रदुषण नियंत्रण की मांग कर सर्वसम्मति से जेएसडब्ल्यू स्टील का समर्थन किया। जेएसडब्ल्यू स्टील ने नुआगांव लौह अयस्क खदान के लिए २० एमटीपीए लौह अयस्क के उत्पादन के लिए पर्यावरण मूल्यांकन का प्रस्ताव रखा है, जिसमें न्ट्रीनिंग, क्रशिंग ४५००टीपीएच सीपीयू और ३० एमटीपीए ग्राइंडिंग और बेनिफिशिएशन प्लांट के साथ कुल खुदाई २२.०१३ एमटीपीए है। इसके अलावा, एमएल क्षेत्र ७७६.९६९ (डीजीपीएस के अनुसार)/७६७.२८४ हेक्टेयर (आरओआर के अनुसार) पर ३० एमटीपीए स्लरी परिवहन प्रणाली होगी। नुआगांव, बारापाड़ा, गंधलपाड़ा, गुआली, काटेसाही , पारेडीपोसी, कोहलारुडुकेला, पांडुलिपोशी, तोपाडीही जैसे स्थानीय गांवों के निवासियों ने कंपनी का विस्तार करने के लिए अपनी रुचि व्यक्त की। जनसुनवाई का संचालन क्योंझर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और जिला प्रशासन द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन क्योंझर की अतिरिक्त जिलापाल सुसामा बिलुंग और एसपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी प्रशांत कर ने किया। जन सुनवाई के दौरान, आसपास के गांवों के लगभग ११३ ग्रामीणों ने फोरम में बात की और उनमें से अधिकांश ने जेएसडब्ल्यू परियोजना का समर्थन किया। जनसुनवाई में २०० से अधिक ग्रामीणों ने भाग लिया।

लोगों ने क्षेत्र में आजीविका संवर्धन और सीएसआर गतिविधियों पर जोर दिया। कार्यक्रम स्थल पर राज्य सरकार को ६० लिखित अभ्यावेदन मिले। जेएसडब्ल्यू के अधिकारियों ने जनता को आने वाले दिनों में प्रभावित क्षेत्रों की चिंताओं को दूर करने का आश्वासन दिया।
प्रसिद्ध पर्यावरणविद नीलाद्रि मिश्रा और एसपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी प्रशांत कार ने कंपनी द्वारा पर्यावरण शमन उपायों के लिए भविष्य के रोडमैप पर जोर दिया। खनन क्षेत्र का पर्यावरण एनजीओ नेटिव वौइस् लिखित में सुझाव दिए। जिस में बर्तमान में उत्खनन की मात्रा से चार गुना अधिक होगी, इस तरह प्रदुषण भी बढ़ेगी। इसलिए पर्यावरण, वन और जलवायु मंत्रणायालय एवं राज्य प्रदुषण नियंत्रण द्वारा जारी दिशानिर्देशों को शख्ती से पालन करने सुझाव दिए। साथ ही स्थानीय ट्रकों द्वारा परिवहन के लिए पर्याप्त मात्रा में खनिज उपलब्धता, स्थानीय नियुक्ति को प्राथमिकता और युवाओं के लिए कौशल विकाश का मांग रखा।

चेन्नई में कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के दो गुटों के बीच जमकर हुई मारपीट, 4 कार्यकर्ता घायल

चेन्नई। चेन्नई में कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में दो समूहों के बीच मंगलवार रात जमकर मारपीट हुई। दरअसल तमिलनाडु से जा चुकी कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी का झंडा फहराने पर चर्चा हो रही थी। इसी दौरान विवाद पैदा हो गया। बताया जाता है कि यह हिंसक झड़प टीएनसीसी कोषाध्यक्ष और नंगुनेरी विधायक रूबी आर मनोहरन के समर्थकों के बीच हुई है। टीएनसीसी मुख्यालय सत्यमूर्ति भवन में हुई झड़प में कम से कम चार पार्टी कार्यकर्ता घायल हो गए हैं। पार्टी ने अभी तक पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। हाल ही में कांग्रेस के दो प्रखंड अध्यक्षों कलक्कड़ और नंगुनेरी के चुनाव परिणामों की घोषणा से क्षुब्ध मनोहरन के समर्थक पांच बसों में सवार होकर पार्टी मुख्यालय पहुंचे थे। आरोप यह था कि ब्लॉक अध्यक्षों, तिरुनेलवेली पूर्वी डीसीसी अध्यक्ष केपीके जयकुमार के समर्थकों को स्थानीय विधायक मनोहरन की जानकारी के बिना चुना गया था। यह विरोध टीएनसीसी अध्यक्ष केएस अलागिरी द्वारा एआईसीसी सचिवों, पूर्व टीएनसीसी अध्यक्षों, कार्यकारी अध्यक्षों, पूर्व विधायकों और सांसदों और मौजूदा विधायकों और सांसदों के साथ संसद चुनावों पर चर्चा करने और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के झंडे के खंभे लगाने के लिए निर्धारित बैठक के दौरान हुआ। इस बैठक में शामिल पार्टी के एक नेता ने बताया कि जब मनोहरन ने जोर देकर कहा कि पार्टी के भीतर हुए चुनाव को रद्द कर दिया जाना चाहिए तो अलागिरी ने कहा कि टीएनसीसी प्रमुख के रूप में उन्होंने कभी भी चुनावों में हस्तक्षेप नहीं किया और उनके पास इस तरह की भूमिका निभाने की कोई शक्ति नहीं थी। क्योंकि पार्टी के रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा इसकी देखरेख की जाती थी। वहीं अलागिरी ने 'अराजक तत्वों' के खिलाफ पार्टी आलाकमान द्वारा कड़ी कार्रवाई की मांग की।

'पसमांदा मुस्लिम समाज' का राग भाजपा व आरएसएस का नया शिगुफा : मायावती

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी द्वारा मुस्लिम पसमांदा समाज सम्मेलन आयोजित करने पर निशाना साधते हुए बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने बुधवार को इसे भाजपा व आरएसएस (राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ) का नया शिगूफा बताया। बसपा प्रमुख ने बुधवार को ट्वीट किया, केवल संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ की खातिर 'पसमांदा मुस्लिम समाज' का राग भाजपा व आरएसएस का अब नया शिगुफा है। मुस्लिम समाज, पहले मुसलमान हैं तथा उनके प्रति, इनकी (भाजपा, संघ) सोच, नीयत, नीति क्या है, यह किसी से भी छिपा नहीं। उन्होंने कहा, भाजपा की मुस्लिम समाज के प्रति नकारात्मक सोच का परिणाम है कि इनकी सरकार में भी वे लगभग उतने ही गरीब, पिछड़े, त्रस्त एवं जान-माल-मजहब के मामलों में असुरक्षित हैं जितने वे कांग्रेसी राज में थे। मुस्लिम समाज का, दलितों की तरह उपेक्षित रहना अति-दु:खद व दुर्भाग्यपूर्ण। गौरतलब हैं कि पिछले सप्ताह मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र रामपुर में उपचुनाव के बीच भारतीय जनता पार्टी ने लाभार्थी सम्मेलन के रूप में पसमांदा मुसलमानों की भीड़ जुटाई थी। इस सम्मेलन में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और राज्य मंत्री बलदेव ओलक सहित अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने रामपुर के गांधी स्टेडियम में मुस्लिमों की एक जनसभा को संबोधित किया था। भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश के मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में ऐसे कई सम्मेलन करने की योजना हैं।

अग्निवीर के लिए म.प्र., छत्तीसगढ़ की 30 हजार लड़कियों क़े आवेदन

– 1600 लड़कियों का होगा चयन

जबलपुर। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से 30,000 से ज्यादा लड़कियों के पंजीयन अग्निवीर के लिए किए गए हैं। सेना के लिए 1620 महिलाओं को मौका दिया जाएगा। जबलपुर मुख्यालय में भर्ती प्रक्रिया 20 से 21 नवंबर तक चलेगी। सेना पुलिस कोर में अग्निपथ योजना के तहत महिलाओं की भर्ती की जा रही है। यह भर्ती जम्मू एवं कश्मीर राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में चलेगी। सेंटर में 800- 800 उम्मीदवारों का 2 दिन टेस्ट होगा। अग्निवीर मैं महिलाओं की भर्ती के लिए जबलपुर सेंटर मैं प्रतियोगिता होगी। सेना भर्ती कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1620 उम्मीदवारों का चयन किया जाना है। छत्तीसगढ़ की 290 लड़कियों ने आवेदन किए हैं। वहीं छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश से जो आवेदन प्राप्त हुए हैं। वह 30,000 की संख्या में है।

देश में कोरोना के उपचाराधीन मरीज घटकर 7,561 हुए

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 501 नए मामले सामने आने से देश में अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,46,66,676 पर पहुंच गई। वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या 7,918 से घटकर 7,561 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार संक्रमण से दो और मरीजों के जान गंवाने से मृतक संख्या बढ़कर 5,30,535 हो गई। इनमें से एक मरीज गुजरात और एक राजस्थान का था। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 7,561 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.02 प्रतिशत है। वहीं मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.79 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,41,28,580 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 219.82 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

ममता बनर्जी ने कहा कि अगर केंद्र राज्यों का बकाया नहीं चुका सकता तो जीएसटी व्यवस्था वापस ले लो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा नीत केंद्र सरकार के खिलाफ तीखा हमला करते हुए मंगलवार को कहा कि अगर केंद्र राज्य का बकाया नहीं चुका सकता तो उसे वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था को वापस ले लेना चाहिए। ममता ने आश्चर्य व्यक्त किया कि क्या उनसे अपने बकाये के लिए ''हाथ फैलाने'' की उम्मीद की जाती है? आदिवासी बहुल झारग्राम जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि केंद्र को या तो राज्यों का बकाया चुकाना चाहिए या सत्ता छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अपने वित्तीय बकाया के भुगतान के लिए क्या हमे केंद्र के सामने हाथ फैलाने पड़ेंगे। वे मनरेगा का कोष जारी नहीं कर रहे हैं। अगर भाजपा सरकार हमारे बकाया का भुगतान नहीं करती तो उसे सत्ता छोड़नी होगी। केंद्र अगर हमारे बकाया का भुगतान नहीं कर सकता तो उसे जीएसटी बंद कर देना चाहिए।' मुख्यमंत्री ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के जयंती कार्यक्रम में कहा, 'वे जीएसटी बकाया देकर हम पर कोई अहसान नहीं कर रहे हैं, यह लोगों का पैसा है जिसे उन्होंने (केंद्र) ने जीएसटी के माध्यम से एकत्रित किया है।' बनर्जी ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर इस मुद्दे को उठाया था। उन्होंने कहा, 'हम जीएसटी को लागू करने पर सहमत हुए थे। हमने सोचा था कि केंद्र हमारा बकाया चुकाएगा, लेकिन अब केंद्र जीएसटी के रूप में सारा पैसा एकत्र कर रहा है लेकिन हमें हमारा बकाया नहीं दे रहा है। मैंने प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी और उनसे अनुरोध किया था, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। क्या हमें इसके लिए भीख मांगनी चाहिए?' मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमे जीएसटी क्यों देना चाहिए? जब केंद्र हमारे बकाये का भुगतान नहीं कर रहा है। अगर केंद्र हमे पैसा नहीं दे सकता, तो हम भी जीएसटी देना बंद कर सकते हैं। देश राजनेताओं नहीं बल्कि लोगों के लिए है। यह भाजपा का पैसा नहीं है।' बाद में, स्थानीय लोगों के साथ बातचीत करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन से पेयजल परियोजना के रुकने का प्राथमिक कारण केंद्र से पर्याप्त धन नहीं मिलना है। इस बीच, बनर्जी के आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार के मनरेगा के तहत खर्च किए गए धन से जुड़े प्रमाणपत्र जमा करने में विफल रहने के कारण पैसा रोका गया।

भारत जोड़ो यात्रा असली राहुल गांधी को सामने लाई: जयराम

– जयराम रमेश ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा ने कांग्रेस सांसद की छवि पूरी तरह से बदल दी

वाशिम (एजेंसी)। (ईएमएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश का कहना है कि भारत जोड़ो यात्रा ने 'असली' राहुल गांधी को सामने लाई है और कांग्रेस सांसद की छवि को पूरी तरह से बदल दिया है। महाराष्ट्र के वाशिम में एक संवाददाता सम्मेलन में पूछे गए सवाल के जवाब में जयराम रमेश ने कहा कि गांधी के अगुवाई में पूरे देश में की जा रही यात्रा का किसी भी राज्य के चुनाव से कोई संबंध नहीं है। अगर इसके प्रभाव का आकलन करना है तो यह 2024 के लोकसभा चुनाव में ही किया जा सकता है। बता दें कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 69वें दिन वाशिम पहुंची है। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी डेटॉल या फेविकोल ब्रांड नहीं हैं कि उन्हें फिर से रीब्रांडेड करना पड़े।

उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से पहले भाजपा ने उनकी खास छवि बना दी थी, खासकर सोशल मीडिया पर। भारत जोड़ो यात्रा नए राहुल गांधी को नहीं, असली राहुल गांधी को दिखा रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से उनकी छवि में पूरी तरह से बदलाव आया है। आज मीडिया या सोशल मीडिया में राहुल गांधी वैसे नहीं हैं जो 70 दिन पहले थे। उन्होंने कहा कि 3,570 किलोमीटर लंबी यात्रा का फायदा यह है कि राहुल गांधी बिना किसी बिचौलिए के, लोगों के साथ सीधे संपर्क में हैं। इसका नतीजा यह है कि असली राहुल गांधी सबके सामने हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि 70 दिनों में एक चीज साफ रूप से दिखाई दी है कि हम किस तरह से एकजुट हुए हैं और किस तरह से हमने समय पर यात्रा शुरू की है। यात्रा का प्रभाव पार्टी पर निर्भर करेगा ना कि राहुल गांधी पर। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में अब तक जहां-जहां यात्रा पहुंची है वहां सेवा दल के कार्यकर्ता घर-घर जाकर पर्चे बांट कर पार्टी का संदेश दे रहे हैं। मालूम हो कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी और अब तक 6 राज्यों के 28

जिलों से गुजर चुकी है। इसने 7 नवंबर को महाराष्ट्र के देगलुर में प्रवेश किया था और अब तक राज्य के नांदेड़ और हिंगोली जिलों से गुजर चुकी है।

देशवासियों के लिए अपमानजनक बातें न करें सार्वजनिक पद पर आसीन लोग : सुप्रीम कोर्ट

–न्यायमूर्ति एसए नजीर की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सार्वजनिक पदों पर आसीन लोगों को ऐसी बेतुकी बातों से बचना चाहिए जो अन्य देशवासियों के लिए अपमानजनक हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस तरह के व्यवहार को रोकने के लिए कोई तंत्र नहीं होने के कारण सार्वजनिक पद पर आसीन लोग अक्सर अपमानजनक टिप्पणियां करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह दृष्टिकोण हमारी संवैधानिक संस्कृति का हिस्सा है और इस संबंध में आचार संहिता बनाने की कोई जरूरत नहीं है। इसके साथ ही न्यायमूर्ति एसए नजीर की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने इस संबंध में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया कि क्या किसी जनप्रतिनिधि के भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है?

पीठ ने कहा कि किसी को प्रभावित करने वाले जनप्रतिनिधियों के भाषण के संबंध में नागरिकों के लिए हमेशा एक सिविल उपचार उपलब्ध होता है। पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 19 (2) में चाहे जो भी कहा गया हो, देश में एक संवैधानिक संस्कृति है, जिसमें जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों के बयानों पर अंतर्निहित सीमा या प्रतिबंध है।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से सहमति व्यक्त की लेकिन आग्रह किया कि अदालत को इस मामले पर संसद को फैसला लेने देना चाहिए। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर तहसीन पूनावाला और अमीश देवगन द्वारा दायर याचिकाओं पर दो फैसले दिए हैं और उन फैसलों के आलोक में मामले की सुनवाई करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि मामले में उठाए गए सवाल अमूर्त हैं और उन मुद्दों पर आदेश पारित करना समस्याजनक होगा।

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कहा यह अंतर्निहित है और इस अदालत को इस संबंध में आचार संहिता तैयार करने की कोई जरूरत नहीं है। कोई भी व्यक्ति जो सार्वजनिक पद पर है या लोक सेवक है एक अलिखित नियम है और यह संवैधानिक संस्कृति का हिस्सा है कि वे आत्म-प्रतिबंध का पालन करेंगे हैं और ऐसी बातें नहीं करेंगे हमारे अन्य देशवासियों के लिए अपमानजनक हों।

जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा यह स्वाभाविक है कि सार्वजनिक पद पर आसीन व्यक्ति को संयम बनाए रखना चाहिए। यह एक अलिखित नियम है और संविधान की संस्कृति का हिस्सा है और उन्हें ऐसी बात नहीं करनी चाहिए जो अपमानजनक हो और लोगों के एक वर्ग को प्रभावित करती हो।

मिजोरम में पत्थर की खदान धंसने की घटना में अब तक 10 शव बरामद, पीएम मोदी ने जताया शोक

–पीएम मोदी ने की मृतकों के परिजनों को दो लाख और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा

आइजोल (एजेंसी)। दक्षिण मिजोरम के हनहथियाल जिले में सोमवार को ढही पत्थर की एक खदान के मलबे से दो और शव बरामद किए गए हैं। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। तलाशी अभियान अभी भी जारी है। इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने मिजोरम पत्थर खदान ढहने के हादसे मे अपने प्रियजनों को खोया है। मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मृतकों में पश्चिम बंगाल के पांच, झारखंड और असम के दो-दो तथा मिजोरम के लुंगलेई जिले का एक श्रमिक शामिल है। हनथियाल कस्बे से करीब 23 किलोमीटर दूर मौदढ़ गांव में सोमवार को पत्थर की खदान धंसने से वहां काम कर रहे एक दर्जन से अधिक लोग लापता हो गए थे। हनहथियाल के जिला उपायुक्त आर लालरेमसंगा ने कहा कि मंगलवार रात सघन तलाशी अभियान के बाद मलबे से दो और शव बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही पत्थर की खदान के मलबे में दबे कुल 12 लोगों में से 10 का पता लगा लिया गया है। उन्होंने बताया कि दो श्रमिक अब भी लापता हैं और उनकी तलाश जारी है। ये श्रमिक मिजोरम और असम के रहने वाले हैं। हनहथियाल के पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने कहा कि पत्थर की खदान में जब भूस्खलन हुआ, तब वहां कुल 13 श्रमिक काम कर रहे थे। हालांकि, इनमें से एक बाहर निकलने में सफल हो गया, जबकि 12 अन्य मलबे में फंस गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि श्रमिकों ने बहुत गहरी खुदाई कर दी थी, जिससे पत्थर की खदान ढह गई। लालरेमसंगा ने बताया कि हादसे में खुदाई करने वाली पांच मशीनें, एक स्टोन क्रशर और एक ड्रिलिंग मशीन भी पूरी तरह से मलबे में दब गए। उन्होंने कहा कि भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्र लगभग 5,000 वर्ग मीटर है।

20 दिन बाद राजस्थान पहुंचेगी भारत जोड़ो यात्रा, वाइल्ड लाइफ एक्ट की वजह से बदलना पड़ सकता है मार्ग

नई दिल्ली (एजेंसी)। जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के मार्ग में बदलाव हो सकता है। पार्टी के स्तर पर इसके पीछे कारण बताया जा रहा है वाइल्ड लाइफ एक्ट-1972 के नियम। राजनीति के जानकार इसे राजस्थान में चल रही अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट की लड़ाई से जोड़कर देख रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा करीब 20 दिन बाद राजस्थान में प्रवेश करने वाली है। अभी तक राजस्थान में इस यात्रा का रूट फाइनल नहीं हो पाया है। अब इसका फैसला वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में बनी कमेटी करेगी।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में झालावाड़ जिले से प्रवेश करेगी। इसके बाद वह कोटा, बूंदी और सवाईमाधोपुर होते हुए अलवर पहुंचेगी। अलवर जिले से वह हरियाणा के झिरका और फिर फिरोजपुर में प्रवेश कर जाएगी। बताया जाता है कि राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा में वाइल्ड लाइफ के नियम बाधा बन रहे हैं। इन नियमों के तहत वाइल्ड लाइफ क्षेत्र में एक साथ बड़ी संख्या में पैदल यात्री नहीं निकल सकते। इसके साथ ही क्षेत्र में तेज आवाज में लाउड स्पीकर नहीं बजाए जा सकते। भारत जोड़ो यात्रा के मार्ग में तीन टाइगर रिजर्व आ रहे हैं। कोटा संभाग के झालावाड़ जिले में यात्रा जिस रास्ते से गुजरेगी उसका कुछ भाग मुकंदरा टाइगर हिल्स रिजर्व में शामिल है। वहीं बूंदी जिले में जिस रूट से यात्रा का गुजरना प्रस्तावित है उस पर रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व का क्षेत्र आता है। वहीं सवाईमाधोपुर जिले से भी भारत जोड़ो यात्रा का निकलना प्रस्तावित है। उसका अधिकांश क्षेत्र रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में आ रहा है। ऐसे में इन क्षेत्र से यात्रा का निकल पाना संभव नजर नहीं आ रहा है।

राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के रूट का सर्वे कर रही मंत्रियों की टीम में शामिल राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने बताया कि यह एक्ट गांधी परिवार के समय ही बना था। वहीं राहुल गांधी के भी साफ निर्देश है कि यात्रा की वजह से किसी भी तरह से वाइल्ड लाइफ को परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि हमने इसकी पूरी जानकारी भारत जोड़ो यात्रा कमेटी को दे दी है। अब अंतिम फैसला वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में बनी कमेटी को करना है।

जलवायु परिवर्तन को लेकर कार्रवाई किसी क्षेत्र, ईंधन स्रोत, गैस स्रोत तक सीमित न हो : भूपेन्द्र यादव

नई दिल्ली(एजेंसी)। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने मिस्र में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर कार्रवाई किसी भी क्षेत्र, ईंधन स्रोत और गैस स्रोत तक सीमित नहीं की जा सकती तथा सभी देशों को अपनी-अपनी राष्ट्रीय परिस्थिति के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए। भारत ने शनिवार को प्रस्ताव किया था कि वार्ता में भी जीवाश्म ईंधन कम करने का निर्णय किया जाए। इस आह्वान का मंगलवार को यूरोपीय संघ ने समर्थन किया।

ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, भारत और चीन के 'बेसिक ग्रुप' (बीएएसआईसी ग्रुप) के मंत्रियों की मंगलवार को मिस्र के शर्म-अल-शेख में आयोजित जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र प्रारूप सम्मेलन की 27वीं पक्षकार संगोष्ठी (कॉप-27) में केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव हिस्सा ले रहे हैं। यादव ने कहा, ''कॉप-27 में, हमें अपने साथी विकसित देशों को एक बार फिर राजी करना चाहिये कि कार्रवाई महत्वपूर्ण होती है, वादे नहीं। हर कॉप बैठक में संकल्प पर संकल्प किये जाते हैं, जो जरूरी नहीं कि फायदेमंद हों।'' उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई के जरिये ही विकास को मापना चाहिये, जो उत्सर्जन में सीधी कमी की तरफ ले जाये और विकसित देशों को चाहिये कि वह दुनिया को ऐसा करके दिखायें।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने कहा, '' जलवायु परिवर्तन को लेकर कार्रवाई किसी भी क्षेत्र, किसी भी ईंधन स्रोत और किसी भी गैस स्रोत तक सीमित नहीं की जा सकती तथा सभी देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय परिस्थिति के अनुसार कार्रवाई करें।'' उन्होंने कहा कि इस संबंध में अपनी जिम्मेदारियों का पालन करने के लिहाज से जलवायु कार्रवाई के लिये भारत दो मुद्दों..मानवता और जलवायु न्याय पर अपनी स्थिति फिर से स्पष्ट करना चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत मानता है कि सभी देशों का वैश्विक कार्बन बजट में अपने-अपने हिस्से पर अधिकार है तथा सभी को अपनी-अपनी समग्र उत्सर्जन सीमा में ही रहना चाहिये।

भूपेन्द्र यादव ने कहा कि अपने मौजूदा लक्ष्य को समय के काफी पहले शून्य उत्सर्जन तक पहुंचा देने वाले विकसित देशों को शेष कार्बन बजट तक विकासशील देशों को पहुंच देनी चाहिये। उन्होंने कहा कि यह काम गहन ऋणात्मक उत्सर्जन तथा विकसित देशों के कार्बन ऋण को निधि में परिवर्तित करके किया जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने इस दिशा में न्यायपूर्ण परिवर्तन पर जोर दिया और कहा किभारत के लिये न्यायपूर्ण परिवर्तन का मतलब, धीरे-धीरे कम-कार्बन विकास रणनीति तक पहुंचना है ताकि खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा, विकास व रोजगार सुनिश्चित हो तथा इस प्रक्रिया में कोई भी पीछे न रह जाये। उन्होंने कहा, '' हमारी नजर में विकसित देशों के साथ कोई भी साझेदारी इस नजरिये पर ही आधारित होनी चाहिये।

ब्रह्मपुत्र के पानी को शिनजियांग तक ले जाने के लिए चीन बना रहा एक हजार किमी लंबी सुरंग

नई दिल्ली। चीन इस समय निर्माणकार्यों पर विशेष रूप से जोर दे रहा है। चीन एक ऐसी सुरंग का निर्माण करने जा रहा है, जिससे पूरी दुनिया की चिंता बढ़ गई है। यह सुरंग अपने आप में अनोखी होगी। चीन दुनिया का पहला ऐसा देश है जो एक हजार किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने जा रहा है। इस सुरंग को लेकर सभी देश चिंता में पड़ गए हैं। ब्रह्मपुत्र और सिंधु दोनों विशाल नदियां तिब?बत से शुरू होती हैं। सिंधु नदी पश्चिमोत्तर भारत से होकर पाकिस्तान के रास्ते अरब सागर में गिरती है। वहीं ब्रह्मपुत्र नदी पूर्वोत्तर भारत के रास्ते बांग्लादेश में जाती है। ये दोनों ही नदियां दुनिया की सबसे विशाल नदियों में शामिल हैं। चीन कई साल से ब्रह्मपुत्र नदी की दिशा को बदलने में लगा हुआ है। चीन ब्रह्मपुत्र नदी को यारलुंग जांगबो कहता है, जो भूटान, अरुणाचल प्रदेश से होकर बहती है। ब्रह्मपुत्र और सिंधु दोनों ही नदियां चीन के शिंजियांग इलाके से निकलती हैं। सिंधु नदी लद्दाख के रास्ते पाकिस्तान में जाती है। चीन ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को एक हजार किलोमीटर लंबी सुरंग बनाकर तिब्बत के पठार से ले जाते हुए तकलमकान तक ले जाना चाहता है। तकलमकान दक्षिण-पश्चिम शिंजियांग का रेगिस्तानी इलाका है। बताया जा रहा है कि यून्नान सुरंग का निर्माण अगस्त 2017 में शुरू हुआ था। इस परियोजना पर 11.7 अरब डॉलर का खर्च आएगा। चीन शिंजियांग को अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य की तर्ज पर विकसित करना चाहता है। इसके लिए चीन नदियों के बहाव को तिब्बत से मोड़कर शिंजियांग की ओर करना चाहता है। इसके लिए चीन एक हजार किलोमीटर की सुरंग के जरिए शिंजियांग में विशाल झरना बनाना चाहता है। चीन का मकसद अपने पूर्वी क्षेत्र के विकास के बाद अब पश्चिमी इलाके में विकास को बढ़ावा देना है। ये ऐसा इलाका है जो अभी भी काफी

यूके-इंडिया यंग प्रोफेशनल्स स्कीम के तहत हर साल 3,000 युवाओं को ब्रिटेन देगा दो साल का वीजा

–पीएम मोदी और ऋषि सुनक के बीच मुलाकात में बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। । यूके और भारत साल 2023 में यंग प्रोफेशनल्स एक्सचेंज कार्यक्रम लॉन्च करेंगे और इसके तहत हर साल 3000 भारतीय युवाओं को ब्रिटेन में काम करने लिए वीजा दिया जाएगा । ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को भारत के युवा पेशेवरों को हर साल ब्रिटेन में काम करने के लिए 3,000 वीजा देने पर सहमति जताई है। यूके सरकार ने कहा कि भारत इस तरह की योजना से लाभान्वित होने वाला पहला देश है। बता दें कि पीएम मोदी और ऋषि सुनक के बीच मुलाकात के कुछ घंटों बाद ही यह फैसला आया है।

यूके के प्रधानमंत्री कार्यालय डाउनिंग स्ट्रीट ने अपने एक ट्वीट में कहा कि आज यूके-इंडिया यंग प्रोफेशनल्स स्कीम की पुष्टि की गई, जिसमें 18-30 वर्षीय 3,000 डिग्रीधारी शिक्षित भारतीय नागरिकों को यूके में आकर रहने और दो साल तक काम करने के लिए वीजा देने की पेशकश की गई। बता दें कि यूके-इंडिया यंग प्रोफेशनल्स स्कीम के तहत ब्रिटेन हर साल 18-30 वर्ष आयु वर्ग के 3000 युवा प्रोफेशनल्स यानी डिग्री धारक भारतीयों को ब्रिटेन में दो साल तक काम करने की पेशकश करेगा। यह योजना अगले साल 2023 की शुरुआत में शुरू होगी और पारस्परिक आधार पर होगी।

डाउनिंग स्ट्रीट की यह घोषणा ऐसे वक्त में सामने आई है, जब मंगलवार को इंडोनेशिया के बाली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऋषि सुनक के बीच मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के कुछ घंटों बाद ही यूके ने भारतीय युवाओं को वीजा देने के फैसले को हरी झंडी दिखा दी। पिछले महीने भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश पीएम के पद संभालने के बाद यह उन दोनों की पहली बैठक थी।

ऋषि सुनक ने कहा कि मैं प्रत्यक्ष रूप से भारत के साथ गहरे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों के अविश्वसनीय मूल्य को जानता हूं। उन्होंने कहा मुझे खुशी है कि भारत के और अधिक प्रतिभावान युवाओं को अब यूके में जीवन का वह सब कुछ अनुभव करने का अवसर मिलेगा, जो हमारी अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को समृद्ध बनाता है। बता दें कि सुनक ने प्रधानमंत्री बनने के अपने अभियान के दौरान भारत के साथ यंग प्रोफेशनल्स के पारस्परिक आदान-प्रदान करने के बारे में बात की थी। यूके के पीएम ऋषि सुनक के कार्यालय डाउनिंग स्ट्रीट के एक प्रेस नोट में कहा गया, 'इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लगभग किसी भी देश की तुलना में यूके का भारत के साथ अधिक गहरा संबंध है। यूके में तकरीबन एक चौथाई अंतरराष्ट्रीय छात्र भारत के हैं और भारतीय निवेश से यूके में 95 हजार रोजगार का सृजन होता है। यूके सरकार ने कार्यक्रम के लॉन्च को यूके-भारत संबंध के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। इस बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि पूरा ध्यान एक संतुलित व्यापार समझौते पर है जो दोनों पक्षों के लिए लाभदायक हो, इसलिए इसकी कोई समयसीमा नहीं बताई गई है। एक प्रवक्ता ने कहा कि दोनों पक्ष इसे लेकर प्रतिबद्ध हैं, अंतरराष्ट्रीय व्यापार विभाग के नेतृत्व में गहन बातचीत चल रही है।

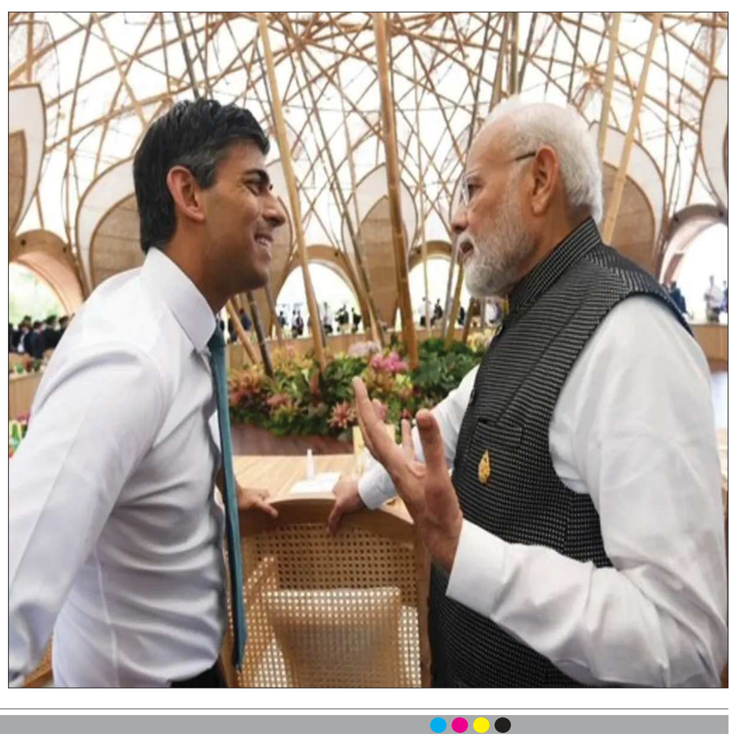

सैर कर दुनिया की

सैर के इस रस को समझते हुए ही इस्माइल मेरठी ने कहा सैर कर दुनिया की गाफिल जिंदगानी फिर कहां जिंदगी गर कुछ रही तो नौजवानी फिर कहां और बाद में महापंडित बने राहुल सांकृत्यायन इससे ऐसे प्रभावित हुए कि घर-बार सब छोड़ कर दुनिया घूमने ही निकल पड़े। फिर घूमने पर लिखना शुरू किया तो पूरा घुमक्कड़ शास्त्र ही लिख डाला। क्यों घूमें, कब घूमें, कैसे घूमें, आदि-आदि ऐसे बहुतेरे सवालों के सटीक जवाब राहुल ने घूमते-घूमते ही दिए हैं। हालांकि तब से लेकर अब तक समय के साथ परिस्थितियां और परिवेश सभी बिलकुल बदल चुके हैं। पर्यटन की व्यवस्था प्रशिक्षित और कुशल हाथों में जा चुकी है। अब कहीं भी आने-जाने के लिए कोई खास मौसम नहीं रह गया है। कभी भी कहीं भी जाया जा सकता है। हर जगह ठहरने-खाने के लिए हर तरह की व्यवस्था है। आप खास तौर से पर्यटन के रोमांच पक्ष का मजा लेने के लिए ही निकलना चाहें तो अलग बात है, वरना कभी बहुत मुश्किल समझी जाने वाली जगहों के लिए भी अब आसानी से सवारियां उपलब्ध हो जाती हैं।

तो जाहिर है, कीमत कम या ज्यादा भले हो, पर सैर-सपाटा अब पहले की तरह मुश्किल बात नहीं रही। हमारी कुशलता इस बात में है कि समय के साथ मिली सुविधाओं का पूरा लाभ उठाएं। कम से कम जो कीमत हम दे रहे हैं, उसका अधिकतम रिटर्न तो हासिल कर ही लें। जरा सोचिए, पर्यटन का असली हासिल क्या हो सकता है, न्यूनतम या अधिकतम जो कुछ भी है, सैर-सपाटे का असली हासिल तो है पूर्वाग्रहों से मुक्ति। जैसा कि अमेरिकी व्यंग्यकार मार्क ट्वेन कहते हैं घूमना बहुत घातक है दुराग्रहों, कट्टरता और कूप मंडूकता के लिए।

जब निकलना हो सैर पर

इसलिए जब घूमने निकलना हो तो पूर्वाग्रहों से मुक्ति की तैयारी पहले कर लें। सबसे पहले तो यह जरूरत घुमक्कड़ी के संदर्भ में ही है। पर्यटन के कार्पोरेटीकरण के इस दौर में आम तौर पर होता यह है कि लोग अपने ढंग से अलग.अलग फ्लाइट और होटल बुकिंग करा कर घूमने के बजाय किसी एजेंसी का पैकेज ले लेते हैं। इन पैकेजों में घूमने के लिए शहर तो तय होते हैं, पर शहरों या उनके आसपास जगहें कौन-कौन सी दिखाई जाएंगी यह पहले से तय नहीं होता है। कई बार तय करके भी नहीं दिखाया जाता और कई बार ट्रैवल एजेंट किसी जगह की बहुत मशहूर चीजों को ही आपकी आइटेनरी में दर्ज कर देते हैं। इसलिए जब आप पैकेज फाइनल करने निकलें तो इन सब बातों का पूरा खयाल रखें।

किन शहरों में वे कौन-कौन सी दर्शनीय चीजें दिखाएंगे और वहां के लोकजीवन को देखने-समझने के लिए वह आपको कितना वक्त देंगेए यह सब पहले से तय कर लें। क्योंकि दूर देश में जो चीजें छूट जाएंगी, बाद में मालूम होने पर उन्हें न देख पाने की कसक उम्र भर बनी रहेगी और अगर आप उन्हें फिर देखना ही चाहें तो इसके लिए आपको दुबारा पूरा किराया-भाड़ा खर्च करना पड़ेगा। यह बात भी याद रखें कि सभी क्षेत्रों की तरह इस क्षेत्र में भी मोलभाव की पूरी गुंजाइश होती है। कम से कम धन में ज्यादा से ज्यादा फायदा पाने के लिए मोलभाव करने में संकोच बिलकुल न करें।

ऐसे करें तैयारी

देश या विदेश, जहां कहीं भी पर्यटन के लिए निकलना हो, कम खर्च में ज्यादा फायदा हासिल करने का अच्छा तरीका यह है कि तैयारियों की शुरुआत आप जानकारी जुटाने से करें। मसलन यह कि जहां कहीं भी आप जा रहे हैं, उसके आसपास और कौन.कौन सी जगहें हैं, क्या उन्हें इस यात्रा पैकेज में शामिल किया जा सकता है, जिन शहरों की यात्रा पर आप जा रहे हैं, वहां देखने के लिए कौन-कौन सी मशहूर जगहें हैं।

खास तौर से किसी भी बड़े शहर के भीतर की दर्शनीय जगहों को कई हिस्सों में बांटकर देखें। दुनिया के सभी बड़े शहरों में देखने के लिए आधुनिक दौर की कई चीजें होती हैं। इससे वहां के व्यापारिक और तकनीकी विकास का पता चलता है। घुमक्कड़ी का दूसरा पक्ष रिक्रिएशन है, जिसे मौज-मस्ती या रोमांच भी कह सकते हैं।

समुद्रतट और उनके आस पास की घुमक्कड़ी इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। सागर तट पर टहलना जहां मौज.मस्ती का माध्यम है, वहीं वॉटर राफ्टिंग, स्नोर्केलिंग या वॉटर स्कूटरिंग जैसी गतिविधियां रोमांच का। समुद्र तट पर बसे बडे, शहरों में ये दोनों चीजें एक साथ मिलती हैं। अधिकतर ट्रैवल एजेंसियों द्वारा कराया जाने वाला पर्यटन बस यहीं तक सीमित होता है। पर याद रखें, ऐसा कोई बड़ा शहर नहीं है जिसका समृद्ध अतीत न हो। यह भी कि प्राचीनकाल में स्थापत्य की सर्वोत्तम कृतियां धार्मिक विश्वासों-संस्थाओं की देन हैं। आज भी कई शहरों में मौजूद धार्मिक स्थलों का स्थापत्य सौंदर्य देखते ही बनता है। संग्रहालय अब विज्ञान से लेकर, प्रकृति, इतिहास और कला तक सभी विषयों के कई शहरों में है। इसलिए जब भी घूमने निकलें तो उस स्थान विशेष की सभी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक धरोहरों के बारे में पहले से पूरी जानकारी कर उन्हें अपनी सूची में शामिल करना न भूलें।

रहे ध्यान इतना

जब आप पर्यटन के लिए निकलते हैं तो घूमना जितना महत्वपूर्ण है, व्यक्तिगत सुरक्षा व सेहत उससे कम अहम नहीं है। यह सच है कि अब हर मौसम में हर जगह घूमा जा सकता हैए पर मौसम के कुछ रंग या भौगोलिक हालात निजी तौर पर आपके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। इसलिए जब कहीं निकलना हो तो वहां की पारिस्थिति की के बारे में जान लें। यह सारी जानकारी आपको इंटरनेट से मिल सकती है। इसके अनुरूप अपने चिकित्सक की सलाह और जरूरी दवाइयां लेना कभी न भूलें। अगर आप देश के भीतर जा रहे हों तो वहां अपने पूर्व परिचितों और बाहर जा रहे हों तो भारतीय उच्चायोग के बारे में पूरी जानकारी जरूर कर लें। मुश्किल समय में यही आपके काम आते हैं। यह सही है कि बाहर जाते वक्त सभी जरूरी सामान आपके पास होने चाहिए, पर यह भी खयाल रखें कि यात्रा के दौरान सामान जितना ज्यादा होगाए झंझटें भी उतनी ही ज्यादा होंगी। इसलिए जो सामान ले जाने हैं पहले उनकी सूची बनाएं। फिर उन पर विचार करें। जो चीजें बहुत जरूरी हों, वही ले जाएं। अगर इन बातों का खयाल रखें तो सैर-सपाटा छुट्टियां बिताने और मौज-मस्ती का सबसे अच्छा जरिया साबित होगा। व्यक्तित्व विकास इसका बोनस तो है ही, भला उससे आपको वंचित कौन कर सकता है!

ध्यान दें इन बातों पर

वीजा की औपचारिकता

अगर आप विदेश यात्रा पर निकल रहे हैं तो जब यह निश्चित हो जाए कि आपको कहां-कहां जाना है, तुरंत वीजा के लिए कार्यवाही शुरू कर दें। मुख्य गंतव्य के बाद उसके आस पास के विकसित देशों के वीजा के लिए पहले आवेदन क्यों करें। क्योंकि कुछ देश इस प्रक्रिया में ज्यादा समय लगाते हैं, साथ ही उनकी कुछ शर्तें भी होती हैं। समय से पहले आवेदन करें तो यह काम आसान हो जाता है।

टीका लें

कुछ देशों की जलवायु के अनुरूप वहां खास किस्म की बीमारियों की आशंका बनी रहती है। बेहतर होगा कि उनके लिए पहले से ही टीकाकरण करवा कर चलें। मसलन पूरे पश्चिमी यूरोप में कहीं आने वाले पर्यटकों को हेपेटाइटिस ए और बीए ब्राजील आने वाले विदेशियों को येलो फीवर और मलेशिया जाने वालों को डेंगू फीवर का टीका लेकर आने की सलाह दी जाती है।

बच कर रहें

ध्यान रखें, आतंकवाद किसी एक देश या क्षेत्र की समस्या नहीं रह गया है। अब यह विश्वव्यापी है। इसके अलावा कई देशों में चोरी, झपटमारी व जेबकतरी जैसे अपराध खूब बढ़ रहे हैं। इंडोनेशिया, ब्राजील, मलेशिया, श्रीलंका जैसे देशों में तो यह सब होता ही है, इटली और नीदरलैंड्स जैसे विकसित देश भी माफियाओं और उचक्कों के प्रभाव से अछूते नहीं हैं। इसलिए कहीं भी हों, इनसे हमेशा सतर्क रहें। जो भी देखना हो दिन में घूम लें, अनजान जगह पर रात में बाहर निकलने से बचें।

अपनों से जुड़े रहें

आप जहां कहीं भी हों, वहां आपकी स्थिति और कुशलता की सूचना आपके परिजनों और शुभचिंतकों को निरंतर होनी चाहिए। इसके लिए बेहतर होगा कि आप उनसे लगातार जुडे रहें। संचार साधनों के इस युग में यह मुश्किल भी नहीं है। मोबाइल पर आईएसडी रोमिंग की जरूरत नहीं है। अधिकतर देशों में आपको शॉर्ट टर्म प्रीपेड सिम पासपोर्ट की जीरॉक्स कॉपी देकर मिल जाते हैं। इसका प्रयोग करें।

मर्यादाओं का सम्मान

जिस किसी भी देश में जाएं उसके कानून और शिष्टाचार का सम्मान करें। कुछ विश्वप्रसिद्ध शहरों के कुछ क्षेत्र प्रसिद्ध हैं। वहां बाहरी लोगों को जाने से मना किया जाता है। उनके बारे में किताबी जानकारी रखें। मौका मुआयना करने की कोशिश न करें। यह नुकसानदेह हो सकता है।

भय जंतुओं का

अगर आप कुछ खास जंतुओं से डरते हैं तो विदेश में ठहरने या घूमने के लिए स्थल चुनते हुए सावधानी बरतें। मसलन उष्णकटिबंधीय देशों में बड़े आकार की छिपकलियां खूब देखी जाती हैं। इसी तरह हिंदू संस्कृति से प्रभावित देशों में मंदिरों के आस पास बंदरों का होना आम बात है। मलेशिया के पेनांग शहर में चीनी समुदाय के एक मंदिर में तो सर्पों की बहुतायत है। अगर आप इन जंतुओं से डरते हैं तो उन्हें बाहर से ही देख कर आ जाएं। उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश न करें।

चीन ने कोरोना लॉकडाउन में क्रूरता की सारी हदें पार कीं

– गुआंगझाऊ में भड़की जनता ने किया विद्रोह, वीडियो वायरल

बीजिंग । दुनिया में जब कोरोना लॉकडाउन को लगभग पूरी तरह से हटा लिया है, वहीं चीन में जीरो कोविड नीति के नाम पर इसे क्रूरतापूर्वक लागू किया जा रहा है। चीन के बेहद अहम दक्षिणी शहर गुआंगझाउ में रहने वाले लोग इस क्रूरता के खिलाफ भड़क उठे और विद्रोह कर दिया। चीनी जनता ने खुद को घरों ही 'कैद' करने के लिए बनाए गए बैरियर को तोड़ दिया। यही नहीं वे सड़क पर आ गए और शी जिनपिंग के कोरोना नियमों को खारिज कर दिया। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया में जमकर शेयर किया जा रहा है। इन वीडियो में भारी भीड़ नजर आ रही है जो इस आजादी का जश्न मना रही है। उन्होंने शाम को अंधेरा होने के बाद बैरियर को तोड़ दिया। इस इलाके में पिछले 5 नवंबर से ही बेहद सख्त कोरोना लॉकडाउन लगा हुआ है। शहर के मुख्य इलाके में कोरोना के कई मामले सामने आए हैं। एक वीडियो में तो कोरोना वर्कर हजामत सूट पहनकर बगल में खड़े हैं और बैरियर टूट चुका है। वे स्थानीय लोगों को समझाने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें सुना जा सकता है कि एक महिला कह रही है, वे विद्रोह कर रहे हैं। यह वीडियो हैझू जिले का बताया जा रहा है। यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है कि कितने लोग इस विरोध प्रदर्शन में शामिल थे और यह कितनी देर तक चला था। बाद में इस घटना के वीडियो को तेजी से चीन के सोशल मीडिया से हटा दिया गया। कम्युनिस्ट चीन में जनता का विरोध प्रदर्शन बहुत ही दुर्लभ घटना मानी जाती है। इसकी वजह यह है कि चीनी अधिकारी विद्रोह करने वालों या विरोध में आवाज उठाने वालों को कुचल देते हैं। माना जा रहा है कि यह विरोध प्रदर्शन शी जिनपिंग की विवादित जीरो कोविड नीति के खिलाफ भड़क रहे जनता के गुस्से का प्रतीक है। गुआंझाऊ में मंगलवार को कोरोना के 5100 मामले सामने आए थे। इस बीच चीन की जीरो कोविड नीति के तहत परिसर में बंद विश्वविद्यालय के छात्र समूह खुद में रेंगने और कार्डबोर्ड से पालतू जानवर बनाने जैसे अजीब शौक विकसित कर रहे हैं। टिप्पणीकारों और समाचार रिपोर्टों के अनुसार छात्र समूह की हरकतें देखकर उनके मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई जा रही है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। आरएफए ने बताया कि हाल के दिनों में सोशल मीडिया साइटों पर अपलोड किए गए वीडियो क्लिप में युवाओं के एक समूह को कॉलेज के खेल मैदान पर एक सर्कल में एक-दूसरे के बाद रेंगते हुए देखा गया है। इसने दर्शकों को यह अनुमान लगाने के लिए प्रेरित किया कि ये कैंपस में महीनों तक लॉकडाउन चलने की प्रतिक्रिया थी। चीन की कम्युनिकेशंस यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने कहा कि वे इस गतिविधि को देख रहे हैं। आरएफए के मुताबिक, सोशल मीडिया यूजर्स ने बीजिंग स्थित सिंघुआ यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स सहित अन्य विश्वविद्यालयों में चल रही इसी तरह की गतिविधियों के वीडियो क्लिप शूट किए। सोशल मीडिया पर अपुष्ट खबरें भी प्रसारित हो रही थीं, जिनमें कहा गया था कि ईस्ट चाइना नॉर्मल यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने परिसर में अकेले रेंगते हुए एक छात्र की तस्वीरें लीं और उन्हें ऐसा करने से रोकने के लिए कुछ सुरक्षा गार्डों को खेल मैदान में भेजा।

पाकिस्तान-अफगान सीमा चौकी गोलीबारी की घटना के बाद तीसरे दिन भी बंद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक अहम सीमा चौकी गोलीबारी की घटना के बाद लगातार तीसरे दिन मंगलवार को भी बंद रही। इस गोलीबारी में पाकिस्तान के अर्द्धसैन्य बल के एक कर्मी की मौत हो गयी। घटना के बाद से ही वहां के जरिये दोनों देशों के बीच व्यापार रुक गया। बलूचिस्तान में चमन सीमा रविवार को उस समय बंद कर दी गयी थी जब अफगानिस्तान की ओर से एक सशस्त्र व्यक्ति ने बाब-ए-दोस्ती के समीप पाकिस्तानी सुरक्षा कर्मियों पर गोलियां चलायी जिसमें अर्द्धसैन्य बल फ्रंटियर कोर (एफसी) के एक जवान की मौत हो गयी। गोलीबारी में दो अन्य जवानों को चोटें आयी हैं। पाकिस्तानी प्राधिकारियों ने इस घटना के बाद अफगानिस्तान के साथ व्यापार रोक दिया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ''सीमा पर लगातार तीसरे दिन द्विपक्षीय व्यापार और आव्रजन प्रणाली रोक दी गयी है तथा पैदल आने-जाने वाले लोग के लिए रास्ता बंद कर दिया गया है।'' चमन दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए सबसे महत्वपूर्ण सीमा चौकी है। ऐसा बताया जा रहा है कि गोलीबारी के लिए जिम्मेदार आतंकवादी खुद को तालिबानी अधिकारी बता रहा था। उसकी तलाश चल रही है। अफगानिस्तान के स्पिन बोल्दाक जिले की सीमा से लगते चमन शहर के उपायुक्त अब्दुल हमीद जेहरी ने मीडिया को बताया कि अफगानिस्तान में पाकिस्तानियों को उनकी पहचान की पुष्टि करने के बाद देश में प्रवेश करने दिया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा, ''पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर समस्याओं पर चर्चा करने के लिए उच्च स्तरीय वार्ता की जा रही है और दोनों पक्षों के बीच मंगलवार को बैठक होने की उम्मीद है।'' उन्होंने बताया कि जब तक इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए जिम्मेदार शख्स को पाकिस्तानी प्राधिकारियों को नहीं सौंपा जाता है तब तक सीमा बंद रहेगी। उपायुक्त ने यह भी कहा कि जिला अस्पताल के साथ ही सीमा के समीप इलाकों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि सामान से भरे सैकड़ों ट्रक सीमा के दोनों ओर फंसे हैं। अधिकारियों ने अभी यह नहीं बताया कि चमन में सीमा चौकी फिर से कब खुलेगी।

एक करोड़ 77 लाख में नीलाम हुई एप्पल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स की सैंडिल

लास एंजेल्स । कैलिफोर्निया का वह घर जहां स्टीव जॉब्स ने अपने दोस्त के साथ मिलकर एप्पल कंपनी की स्थापना की थी, वह अब एक ऐतिहासिक स्थल है। एक नीलामी घर के मुताबिक यहां रहने के दौरान जॉब्स ने जो सैंडल पहने थे, वे लगभग 220,000 डॉलर (17719509.28 रुपये) में बेचे गए हैं। नीलामी घर जूलियन्स ऑक्शन ने बताया कि 1970 के दशक के मध्य में बहुत अच्छी तरह से इस्तेमाल किए गए ब्राउन कलर के इस सैंडल को स्टीव जॉब्स काफी लंबे समय तक पहनते रहे थे। इस सैंडल ने एक जोड़ी सैंडल के लिए अब तक की सबसे अधिक कीमत का रिकॉर्ड बनाया है। नीलामी घर ने अपनी वेबसाइट पर लिस्टिंग में कहा कि कॉर्क और जूट के फुटबेड पर स्टीव जॉब्स के पैरों की छाप इतने साल बाद भी बरकरार है। जो इस सैंडल के कई साल लगातार पहनने के बाद बन गए थे। जूलियन ऑक्शन ने कहा कि उसे सैंडल के 60,000 डॉलर में बिकने की उम्मीद थी। लेकिन एनएफटी के साथ अंतिम बिक्री मूल्य 218,750 डॉलर था। बहरहाल जूलियन ऑक्शन ने एप्पल के को-फाउंडर की इस ऐतिहासिक सैंडल को खरीदने वाले शख्स के नाम का खुलासा नहीं किया है। स्टीव जॉब्स और स्टीव वोज्नियाक ने 1976 में कैलिफ़ोर्निया के लॉस अल्टोस में जॉब्स के माता-पिता के घर में एप्पल की सह-स्थापना की थी। 2013 में लॉस अल्टोस हिस्टोरिकल कमीशन द्वारा इस घर को एक ऐतिहासिक मील के पत्थर के तौर पर नामित किया गया था। गौरतलब है कि 2011 में अग्नाशय के कैंसर के कारण स्टीव जॉब्स का निधन हो गया। जॉब्स को भारत के अध्यात्म से बेहद लगाव था और वे भारत के दर्शन से भी काफी गहराई से प्रभावित थे। स्टीव जॉब्स नीम करौली बाबा के भक्त थे।

सेक्स चेंज कराकर कोरियन महिला बना युवक बोला- बड़ी गलती हो गई

लंदन । एक शख्स ने कोरियाई महिला की तरह दिखने के लिए 30 कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई। सर्जरी पर उसने पिछले 8 सालों में 2 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर डाले। हालांकि, अब उसका मन बदल गया है। उसने घोषणा की है कि वह फिर से पुरुष बनना चाहता है। शख्स ने कहा कि 'ट्रांसरेशियल' के रूप में पहचान बनाने के लिए मैंने जो किया वह एक बड़ी गलती थी। 'ट्रांसरेशियल' शख्स खुद को अपनी नस्ल से जोड़कर नहीं देखता। वह खुद को एक अलग नस्ल का मानता है। ब्रिटेन में जन्मे 32 साल के ओली लंदन भी इसी सोच के थे। ओली सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और टीवी पर्सनलिटी हैं। यूं तो ओली ब्रिटिश हैं, मगर वह खुद को कोरियन बनाने पर तुले थे। इसके लिए ओली ने 30 कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई और खुद को कोरियाई महिला के रूप में परिवर्तित कर लिया। ओली 'ट्रांसरेशियल' के रूप में अपनी पहचान बनाने के साथ ही कोरियाई पॉप-स्टार पार्क जी मिन की तरह दिखना चाहते थे। ऐसे में उन्होंने अपनी सर्जरी करवानी शुरू कर दी और उस पर 2 करोड़ 18 लाख से अधिक रुपये खर्च कर दिए। उनके इस कदम पर विवाद भी हुआ। हालांकि, दर्जनों सर्जरी करवाने के बाद अब ओली का मन बदल गया है। उन्होंने कहा कि मैं 'ट्रांसरेशियल' नहीं हूं और एक पुरुष के रूप में रहना शुरू कर रहा हूं। 'ट्रांसरेशियल' के रूप में पहचान बनाना मेरी बड़ी गलती थी। मैं सिर्फ पुरुष बनना चाहता हूं।

इस्तांबुल में रविवार को हुए धमाके में मारे गये लोगों की याद में पुष्प अर्पित करते हुए लोग।

रूस ने यूक्रेन के कई शहरों में हवाई हमले किए

कीव। रूस ने यूक्रेन के पूर्व से लेकर पश्चिमी इलाके तक मंगलवार को ऊर्जा तथा अन्य प्रतिष्ठानों पर हवाई हमले किए जिससे बड़े पैमाने पर बत्ती गुल हो गयी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने आगाह किया कि स्थिति ''गंभीर'' है तथा उन्होंने यूक्रेनी नागरिकों से ''कठिन परिस्थितियों में मजबूत बने रहने'' का आग्रह किया। इन हवाई हमलों में राजधानी कीव में एक रिहायशी इमारत में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गयी। ये हमले ऐसे वक्त में किए गए हैं जब यूक्रेन ने गत सप्ताह दक्षिणी शहर खेरसॉन पर फिर से कब्जा जमाने में कामयाबी हासिल की। कम से कम 12 क्षेत्रों में हमले हुए। यूक्रेनी वायु सेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि रूस ने करीब 100 मिसाइलें दागी। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यह संख्या 85 बतायी। जेलेंस्की ने आगाह किया कि और हमले हो सकते हैं लेकिन उन्होंने कहा, ''हम हर चीज से उबर जाएंगे।'' अधिकारियों ने जिन इलाकों में हमले होने की जानकारी दी है उनमें पश्चिम में लीव, झितोमिर, खमेलनीत्स्की और राइन तथा उत्तरपूर्वी में यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा शहर खारकीव शामिल है। जेलेंस्की के पैतृक शहर क्रीवी रीह में भी हमले हुए।

इंडोनेशिया ने भारत को सौंपी जी-20 की अध्यक्षता, पीएम मोदी बोले हमारी ओर आशा से देख रही है दुनिया

बाली (एजेंसी)। इंडोनेशिया के बाली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता अब भारत को मिल गई है। शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन बुधवार को इंडोनेशिया ने जी-20 की अध्यक्षता भारत को सौंप दी। जी-20 शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया और कहा कि दुनिया को जी20 से काफी उम्मीदे हैं और वैश्विक विकास महिलाओं की भागीदारी के बिना संभव नहीं है।

बाली के इंडोनेशिया में 1 दिसंबर से भारत को मिल रही जी20 की अध्यक्षता को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि भारत जी-20 का जिम्मा ऐसे समय ले रहा है, जब विश्व जियो पॉलिटिकल तनावों, आर्थिक मंदी और ऊर्जा की बढ़ी हुई कीमतों और महामारी के दुष्प्रभावों से एक साथ जूझ रहा है। ऐसे समय विश्व जी-20 के तरफ आशा की नज़र से देख रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान इंडोनेशिया के सराहनीय इनिशिएटिव यानी पहल को आगे बढ़ाने का भरसक प्रयत्न करेगा। भारत के लिए यह अत्यंत सुखद संयोग है कि हम जी-20 अध्यक्षता का दायित्व इस पवित्र द्वीप, बाली में ग्रहण कर रहे हैं। भारत और बाली का बहुत ही प्राचीन रिश्ता है। आज आवश्यकता है कि विकास के लाभ सर्वस्पर्शी और समावेशी हों। हमें विकास के लाभों को ममभाव और समभाव से मानव मात्र तक पहुंचाना होगा। वैश्विक विकास महिलाओं की भागीदारी के बिना संभव नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं आश्वासन देना चाहता हूं कि भारत की जी-20 अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और क्रिया-उन्मुख होगी। हमारा प्रयत्न रहेगा की जी-20 नए विचारों की परिकल्पना और सामूहिक एक्शन को गति देने के लिए एक ग्लोबल प्राइम मूवर की तरह काम करेगा। उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने जी-20 एजेंडा में महिलाओं के नेतृत्व में विकास को प्राथमिकता देनी होगी। मैं एक बार फिर अपने मित्र राष्ट्रपति जोकोवी का अभिनन्दन करना चाहता हूं। उन्होंने इस कठिन समय मे जी-20 को कुशल नेतृत्व दिया है और मैं आज जी-20 समुदाय को बाली डिक्लेरेशन के अनुमोदन के लिए भी बधाई देता हूं। भारत अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान इंडोनेशिया की सराहनीय पहलों को आगे बढ़ाने का प्रयत्न करेगा। भारत के लिए यह अत्यंत शुभ संयोग है कि हम जी-20 अध्यक्षता का दायित्व इस पवित्र द्वीप बाली मे ग्रहण कर रहे हैं। भारत और बाली का बहुत ही प्राचीन रिश्ता है। भारत जी-20 का जिम्मा ऐसे समय ले रहा है जब विश्व भू राजनीतिक तनावों, आर्थिक मंदी, खाद्यान्न और ऊर्जा की बढ़ी हुई कीमतों, और महामारी के दीर्घकालीन दुष्प्रभावों से एक साथ जूझ रहा है। ऐसे समय, विश्व जी-20 की तरफ आशा की नजर से देख रहा है। आज मैं यह आश्वासन देना चाहता हूं कि भारत की जी-20 अध्यक्षता इन्क्लूसिव, एंबीशस, डिसीसिव, और एक्शन ओरिएंटेड होगी।

पोलैंड पर हुए मिसाइल हमले का सामने आया सच, रूस ने नहीं बल्कि यूक्रेन की सेना ने किया था हमला

नुसा दुआ (एजेंसी)। प्रारंभिक जांच के अनुसार पोलैंड में गिरी मिसाइल को यूक्रेन की सेना ने रूस द्वारा दागी गई मिसाइल के जवाब में प्रक्षेपित किया था। इस बात का खुलासा अमेरिका के एक अधिकारी द्वारा किया गया हैं। समाचार एजेंसी एपी ने बताया कि प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चला है कि पोलैंड में जो मिसाइल गिरी थी वह यूक्रेनी बलों द्वारा एक आने वाली रूसी मिसाइल पर दागी गयी थी। तीन अमेरिकी अधिकारियों ने एपी को बताया कि प्रारंभिक आकलन से संकेत मिलता है कि पोलैंड पर हमला करने वाली मिसाइल को यूक्रेन की सेना ने रूसी मिसाइल पर दागा था। पोलैंड के अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन की सीमा से लगभग 6 किलोमीटर (3-1/2 मील) दूर पूर्वी पोलैंड के एक गांव प्रेज़वोडो में एक विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई। पूर्वी पोलैंड में हुए एक घातक विस्फोट के बाद बाइडेन ने इंडोनेशिया के बाली में जी20 बैठक के लिए एकत्रित हुए वैश्विक नेताओं के साथ आपातकालीन बैठक बुलाई। इससे पहले एक वरिष्ठ अमेरिकी खुफिया अधिकारी ने एपी को बताया कि रूसी मिसाइलें पोलैंड में घुस गईं। राष्ट्रपति जो बाइडेन, जो त्र20 शिखर सम्मेलन के लिए बाली, इंडोनेशिया में हैं, ने बुधवार को कहा कि पोलैंड- एक नाटो सदस्य देश। पोलैंड में गिरी मिलाइल में कम से कम 2 लोग मारे गए थे। उन्होंने इस बात से इंकार किया था कि रूस ने पोलैंड पर ये मिसाइल छोड़ी हैं। नाटो-सहयोगी पोलैंड ने कहा कि 'रूस-निर्मित' मिसाइल ने यूक्रेन सीमा के पास अपने देश के पूर्वी हिस्से में दो लोगों की जान लेने के बाद परामर्श के लिए इंडोनेशिया में जी 7 और नाटो नेताओं की एक आपातकालीन बैठक बुलाई।राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वे पोलैंड के क्षेत्र में हुए मिसाइल हमले में 'वास्तव में क्या हुआ' की जांच में उसका समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि इसे शायद ''रूस से' नहीं दागा गया था - मिसाइल के प्रक्षेपवक्र का हवाला देते हुए।

एलन मस्क ने ट्विटर इंडिया के 90 फीसदी कर्मचारियों को निकाला, अब कहा- एप इंडिया में करता है बहुत स्लो काम

लंदन (एजेंसी)। टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने जब से ट्विटर की कमान संभाली है तब से वो लगातार अपने नये-नये फैसले के जरिये सुर्खियों में बने हुए हैं। कभी ट्विटर के टॉप ऑफिसिशल्स को निकालने तो कभी ब्लू टिक पेड सर्विस जैसे फैसले ने इस माइक्रो ब्लॉगिंग साइट को लाइमलाइट में ला दिया है। अरबपति एलन मस्क के ट्विटर की कमान संभालते हुए वे बचे हुए कर्मचारियों के साथ दिन-रात काम कर रहे हैं। मस्क का मानना है कि भारत और इंडोनेशिया समेत कई देशों में ट्विटर ऐप काफी स्लो है। ट्विटर बॉस इस मुद्दे को जल्द ठीक करना चाहते हैं। बड़े पैमाने पर छंटनी के दौरान मस्क ने ट्विटर इंडिया के लगभग 90 प्रतिशत कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया।

इस हफ्ते की शुरुआत में मस्क ने दूसरों की तुलना में कुछ क्षेत्रों में ट्विटर ऐप के 'स्लो' होने के लिए उपयोगकर्ताओं से माफी मांगी। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि 'मैं कई देशों में ट्विटर के सुपर स्लो होने के लिए माफी मांगना चाहता हूं। ऐप केवल होम टाइमलाइन प्रस्तुत करने के लिए>1000 खराब बैच वाले आरपीसी कर रहा है! मस्क ने कहा कि वह और उनकी टीम प्लेटफॉर्म को गति देने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन ट्विटर के कुछ कर्मचारियों का मानना है कि मस्क का आकलन गलत है। ऐसा लगता है कि अरबपति आलोचना या सुझाव लेने के मूड में नहीं है और ट्विटर पर मस्क के खिलाफ जाने वाले इंजीनियरों को निकाल दिया गया।

नाटो देश पर मिसाइल हमले से पूरी दुनिया सहम गई, कैसे पोलैंड धीरे-धीरे युद्ध का नया फ्लैशपॉइंट बन गया

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया में तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका फरवीर 2022 में उस वक्त से शुरू हो गई है जब से रूस ने यूक्रेन पर भीषण हमला शुरू किया है। अब यूक्रेन पर रूस के लगातार मिसाइल हमलों के बीच पश्चिमी देशों के साथ उसका तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। यूक्रेन सीमा के पास हुए इस जोरदार हमले में पोलैंड के दो ग्रामीण मारे गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जी7 देशों की बाली में आपात बैठक बुलाई और कहा कि प्राथमिक जांच से पता चला है कि ये मिसाइल संभवत-रूस ने नहीं दागी थी।

नाटो सदस्य पोलैंड पर रूसी निर्मित रॉकेट गिरने और दो लोगों के मारे जाने के बाद यूक्रेन संघर्ष के अपने दायरे से इतर फैलने की संभावना तेज हो गई है। हालांकि पोलैंड पर गिरे रॉकेट को लेकर रूस ने अपनी संलिप्तता से इनकार किया है। इंडोनेशिया में ग्रुप ऑफ 20 (जी20) के नेताओं की सभा में व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पूर्वी पोलैंड में विस्फोट और जनहानि पर नेताओं की बैठक बुलाई है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि उनका देश पोलैंड में मिसाइल हमले की रिपोर्टों पर तत्काल गौर कर रहा है और सहयोगियों का समर्थन करेगा कि क्या हुआ था। सुनक ने कहा, ÷हम नाटो समेत अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ भी समन्वय कर रहे हैं।

दरअसल, यूक्रेन रूस-बेलारूस और पोलैंड के बीच बफर रहा है। लेकिन व्लादिमीर पुतिन के आक्रमण के बाद से बहुत कुछ बदल गया है। यहाँ बताया गया है कि कैसे युद्ध पोलैंड की ओर खिसक रहा है। अभी सवाल यह है कि क्या यूक्रेन संघर्ष अपनी सीमाओं पर फैल सकता है जैसा कि हमेशा डर लगता है? इस साल फरवरी में रूस के आक्रमण से पहले, यूक्रेन रूस और अमेरिका के प्रभुत्व वाले पश्चिमी सैन्य गठबंधन नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) के बीच एक रणनीतिक बफर था। लेकिन स्थिति तेजी से बदल रही है।

पाकिस्तान के ग्वादर में सीपीईसी के विरूद्ध प्रदर्शन को चीन ने कमतर कर दिखाने की कोशिश की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कार्यरत सैकड़ों चीनी कर्मियों की सुरक्षा को लेकर देश में बढ़ रही चिंता के बीच सजग चीन ने ग्वादर में सीपीईसी परियोजनाओं के विरुद्ध प्रदर्शन को मंगलवार को तवज्जों नहीं देते हुए कहा कि वे (प्रदर्शनकारी) अरबों डॉलर की इस पहल के खिलाफ नहीं है। पाकिस्तान के अखबार डॉन ने सोमवार को खबर दी कि ग्वादर में प्रदर्शन का रविवार को 18वां दिन था और उसमें सैंकड़ों बच्चे भी शामिल हो गये। प्रदर्शनकारी धमकी दे रहे हैं कि ग्वादर में मछली पकड़ने वाली अवैध नौकाओं पर पाबंदी समेत उनकी मांगें एक हफ्ते में यदि नहीं मानी गयीं तो वे चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाएं रोक देंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा, '' ये खबरें असत्य हैं। आयोजकों ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि प्रदर्शन चीनी पक्ष या सीपीईसी के विरूद्ध नहीं है।''

ट्रंप ने तो घोषणा कर दी, मगर क्या रिपब्लिकन पार्टी उन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने का खतरा मोल लेगी?

वाशिंगटन (एजेंसी)।2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में हार के बावजूद बड़ी मुश्किल से व्हाइट हाउस छोड़ने वाले डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर से अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल हो गये हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस की दौड़ में तीसरी बार शामिल होने की घोषणा की है। उन्होंने मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के खराब प्रदर्शन और मार-आ-लागो क्लब सहित अन्य मामलों में अपने खिलाफ जारी कानूनी जांच के बीच यह घोषणा की है। हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार करने से इंकार करने वाले डोनाल्ड ट्रंप को अपना उम्मीदवार बनाने पर विचार करेगी या नहीं, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। ट्रंप के हार नहीं स्वीकार करने और उनके कथित भड़काऊ भाषणों के बीच उनके समर्थकों ने छह जनवरी को अमेरिकी संसद भवन (कैपिटल हिल) में हिंसा की थी।

पाम बीच स्थित मार-आ-लागो क्लब में अमेरिका के 30 झंडों और 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' नारे वाले बैनर के बीच खड़े 76 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप ने अपने हजारों समर्थकों, क्लब सदस्यों और पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, ''अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए मैं आज अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर रहा हूं।' उन्होंने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन 2024 में फिर से न चुने जाएं। ट्रंप ने कहा, ''मैं आपकी आवाज हूं।'' इसके बाद उन्होंने 'संघीय निर्वाचन आयोग' में आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं चुनाव में इसलिए खड़ा हो रहा हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि दुनिया ने अभी तक इस देश की असली महानता नहीं देखी है।' उन्होंने कहा कि मानो या न मानो, लेकिन हम उस शिखर पर अभी नहीं पहुंचे हैं।' उन्होंने कहा कि अमेरिका मुश्किल समय से गुजर रहा है। ट्रंप ने कहा, 'हम कट्टरपंथी डेमोक्रेट्स को हराएंगे, जो हमारे देश को भीतर से नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं।' हम आपको बता दें कि इससे पहले, बाइडन ने कहा था कि वह फिर से चुनाव में खड़े होना चाहते हैं, लेकिन इस संबंध में अंतिम फैसला क्रिसमस और नववर्ष के अवकाश के दौरान लेंगे। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप ने अपने राजनीतिक सफर के बेहद नाजुक दौर में एक बार फिर राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने की घोषणा की है। वह मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की भारी जीत के बीच अपने अभियान की शुरुआत करना चाहते थे, लेकिन ट्रंप समर्थित ज्यादातर उम्मीदवारों की हार के चलते उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका। वैसे रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप का समर्थन लगातार घट रहा है। हाल के महीनों में उन्हें अपने ही कुछ सहयोगियों की आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है, जिनका कहना है कि रिपब्लिकन पार्टी के लिए अब भविष्य के बारे में सोचने का समय आ गया है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसैंटिस पार्टी में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए पहली पसंद बनकर उभर रहे हैं। ऐसे में देखना होगा कि क्या वाकई ट्रंप को रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवारी मिल पाती है या नहीं। ट्रंप को अभी पहले प्राइमरी और कॉकस चुनाव जीतने होंगे उसके बाद अपनी पार्टी के नेशनल कन्वेंशन में नेताओं का समर्थन हासिल करना होगा।

हाल के मध्यावधि चुनावों में जिस तरह ट्रंप समर्थित उम्मीदवारों की बड़ी संख्या में हार हुई है उसके लिए ट्रंप के अड़ियल रवैये को जिम्मेदार माना गया। साथ ही डेमोक्रेटिक पार्टी ने ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरे के प्रतीक के रूप में इस तरह स्थापित कर दिया है कि लोग उनसे खार खाने लगे हैं। ऐसे में ट्रंप की पार्टी के लिए उनको उम्मीदवार बनाना बड़ा राजनीतिक खतरा मोल लेने के बराबर होगा।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में सूर्यकुमार शीर्ष पर बरकरार, हेल्स ने लगायी छलांग

गेंदबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के रशीद, करेन ऊपर आये

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। सूर्या टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से ही नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। सूर्यकुमार ने विश्वकप की पांच पारियों में तीन अर्धशतक लगाये थे। वहीं दूसरे नंबर पर पाक बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान हैं।

वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने 22 स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। जिससे अब वह रैंकिंग में 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। हेल्स ने विश्वकप सेमीफाइनल में शानदार पारी खेली थी। वह इंग्लैंड की ओर से दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने 42.40 की औसत से 212 रन बनाए।

वहीं शीर्ष दस बल्लेबाजों में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम भी एक स्थान ऊपर आये हैं। अब वह तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में शानदार पारी खेली थी। वहीं दक्षिण अफ्रीका के रिले रुसो सातवें जबकि न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स 8वें नंबर पर हैं। एरॉन फिंच नौवें और

पथुम निसांका दसवें नंबर पर हैं। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के खिलाड़ी ऊपर आये हैं। सेमीफाइनल और फाइनल में अच्छी गेंदबाजी करने वाले इंग्लैंड के आदिल रशीद की रैंकिंग में सुधार हुआ है। रशीद 5 स्थानों के लाभ के साथ ही अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सेमीफाइनल मैच में 20 रन देकर 1 जबकि फाइनल मैच में 22 रन देकर दो अहम विकेट लिए थे। वहीं टूर्नामेंट में सबसे सफल गेंदबाज सैम करन 5वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऑलराउंडर की सूची में बांग्लादेश के शाकिब-अल हसन, अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी और हार्दिक पांड्या शीर्ष तीन में शामिल हैं।

वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भी इंग्लैंड के खिलाड़ी ऊपर आये हैं। सेमीफाइनल और फाइनल में अच्छी गेंदबाजी करने वाले इंग्लैंड के आदिल रशीद की रैंकिंग में सुधार हुआ है। रशीद 5 स्थानों के लाभ के साथ ही अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सेमीफाइनल मैच में 20 रन देकर 1 जबकि फाइनल मैच में 22 रन देकर दो अहम विकेट लिए थे। वहीं टूर्नामेंट में सबसे सफल गेंदबाज सैम करन 5वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर की सूची में बांग्लादेश के शाकिब-अल हसन, अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी और हार्दिक पांड्या शीर्ष तीन में शामिल हैं।

बल्लेबाजी रैंकिंग

1 सूर्यकुमार यादव- 859
2 मोहम्मद रिजवान- 836
3 बाबर आजम- 778
4 डेवॉन कॉनवे -771
5 एडेन मार्करम- 748
6 डेविड मलान- 719
7 रिले रुसो- 693
8 ग्लेन फिलिप्स- 684
9 एरॉन फिंच- 680
10 पथुम निसांका- 673

एशियाई एयरगन प्रतियोगिता में भारत का स्वर्णिम प्रदर्शन जारी, अब तक 21 स्वर्ण पदक जीते

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पिस्टल निशानेबाजों ने कोरिया के डेगु में 15वीं एशियाई एयरगन चैंपियनशिप में अपना स्वर्णिम प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को यहां प्रतियोगिता के दूसरे दिन दांव पर लगे चारों स्वर्ण पदक जीत लिए। प्रतियोगिता में अभी दो दिन और बाकी हैं और भारत 21 स्वर्ण पदक जीत चुका है। दिन की पहली पदक स्पर्धा के ऑल इंडिया फाइनल में रिद्धम सांगवान ने फलक को 16-8 से हराकर साल का अपना दूसरा अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता। रिद्धम ने विश्व कप के काहिरा चरण के दौरान भी इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। एक अन्य ऑल इंडिया फाइनल में मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल महिला जूनियर स्पर्धा में ईशा सिंह को करीबी मुकाबले में 17-15 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा के फाइनल में शिव नरवाल, नवीन और विजयवीर सिद्धू की तिकड़ी ने ली डेमयुंग, मोक जिन मुन और पार्क डेह्हुन की कोरिया की टीम को 16-14 से शिकस्त दी। जूनियर पुरुष स्वर्ण में भी सागर डांगी, सम्राट राणा और वरुण तोमर की भारतीय टीम ने बाजी मारी। भारतीय तिकड़ी ने मुखामद कमालोव, नूरीदीन नूरीदिनोव और इल्खामबेक ओबिदजोनोव को 10 मीटर एयर पिस्टल टीम पुरुष जूनियर स्पर्धा के फाइनल में एकतरफा मुकाबले में 16-2 से हराया।

खराब प्रदर्शन के कारण विलियमसन, मयंक और पूरन को उनकी आईपीएल टीम ने छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र के लिए हुई मिनी नीलामी में केन विलियमसन, मयंक अग्रवाल और निकोलस पूरन जैसे महंगे खिलाड़ियों को उनके खराब फार्म के कारण इस बार शामिल नहीं किया है। इन सभी खिलाड़ियों को दस करोड़ से ज्यादा की रकम मिल रही थी। विलियमसन और पूरन जहां सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में थे वहीं मयंक पंजाब किंग्स में थे।

सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान विलियमसन रिलीज होने वाले सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक हैं। सनराइजर्स ने केन को पिछले साल 14 करोड़ रुपये में रीटेन किया था पर वह टीम को सफलता नहीं दिला पाये। टीम अंकतालिका में आठवें स्थान पर रही। सनराइजर्स हैदराबाद को पिछले सीजन में 5 मैचों में ही जीत मिली थी। इस को देखते हुए इस बार उन्हें अवसर नहीं दिया गया है।

वहीं दूसरी ओर गत सत्र में पंजाब किंग्स के कप्तान रहे मयंक अग्रवाल भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। मयंक को आईपीएल के 15वें एडिशन में पंजाब किंग्स ने 14 करोड़ रुपये में रीटेन किया था पर टीम का प्रदर्शन खराब रहा। मयंक की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स छठे स्थान पर रही। वहीं मयंक 13 मैचों में 16.33 के खराब औसत से केवल 196 रन ही बना पाये।

वहीं वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन बाहर होने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। वह गत वर्ष सनराइजर्स हैदराबाद टीम में शामिल थे। सनराइजर्स ने उन्हें अपने साथ 10.75 करोड़ में शामिल किया था। आईपीएल 2023 की मिनी नीलामी में रिलीज किए गए पूरन तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। उन्हें भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने के कारण बाहर किया गया है।

विश्वकप की हार भुलाकर आगे बढ़ेंगे: पंड्या

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान बनाये गये ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने कहा कि अब वह विश्वकप की हार को भुलाकर आगे बढ़ना चाहते हैं और यही टीम से भी उम्मीद करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें अभी से साल 2024 में होने वाले टी20 विश्व कप की योजना पर काम करन होगा। पंड्या ने कहा, 'टी20 विश्व कप में मिली हार से सभी निराश हैं पर हम पेशेवर खिलाड़ी हैं। हमें इस हार को भी उसी तरीके से लेकर आगे बढ़ना होगा, जैसा हम सफलता को लेकर चलते हैं। हमें अपनी गलतियों को सुधारना होगा और टीम की कमजोरी को दूर करना होगा। उन्होंने कहा कि अभी हमारा पूरा ध्यान न्यूजीलैंड सीरीज पर है। हम यहां बेहतर करने का प्रयास करेंगे।'

वहीं अनुभवी खिलाड़ियों के इस दौरे पर नहीं होने को लेकर पर पंड्या ने कहा, 'ये यही है कि वरिष्ठ खिलाड़ी इस बार साथ नहीं हैं पर हमारे पास काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। जो खिलाड़ी इस दौरे पर आए हैं। वो पिछले एक-दो साल से भारत के लिए खेल रहे हैं और इससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को समझने और अपने को साबित करने का समय मिलेगा। युवा खिलाड़ियों को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। इससे टीम में नया जोश और ऊर्जा आई है। 'वहीं उन्होंने मेजबान न्यूजीलैंड को लेकर कहा कि कीवी टीम हमेशा से ही टी20 प्रारुप में चुनौती पेश करती रही है। हाल ही में टी20 विश्व कप का सेमीफाइनल खेली है। एक टीम के रूप में न्यूजीलैंड हमेशा से ही आपको चुनौती देती रही है। इस बार भी हम यही उम्मीद कर रहे हैं। ऐसे में युवा खिलाड़ियों से हमें उम्मीद है कि वो इस चुनौती का डटकर मुकाबला करेंगे और टीम की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। भारत और मेजबान कीवी टीम के बीच 18 नवंबर से टी20 सिरीज शुरु होगी।

भारत के खिलाफ श्रृंखला के लिये गुप्टिल और बोल्ट न्यूजीलैंड टीम से बाहर

ऑकलैंड(एजेंसी)। अनुभवी मार्टिन गुप्टिल और ट्रेंट बोल्ट को भारत के खिलाफ 18 नवंबर से शुरू हो रही सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिये न्यूजीलैंड टीम से बाहर कर दिया गया है। सलामी बल्लेबाज गुप्टिल को उदीयमान खिलाड़ी फिन एलेन को मौका देने के लिये बाहर किया गया है जबकि बोर्ड के केंद्रीय अनुबंध से बाहर रहने का फैसला करने वाले बोल्ट की जगह छह मैचों की श्रृंखला में किसी और को मौका दिया जायेगा। एलेन को टी20 और वनडे दोनों टीमों में जगह दी गई है। वह अब तक 23 टी20 और आठ वनडे खेलकर पांच अर्धशतक और एक शतक जमा चुके हैं। बोल्ट की गैर मौजूदगी में तेज आक्रमण का जिम्मा टिम साउदी, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्युसन, ब्लेयर टिकनेर और एडम मिल्ने संभालेंगे। मिल्ने ने आखिरी वनडे 2017 में खेला था। मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि बोल्ट और गुप्टिल को बाहर करना आसान नहीं था लेकिन टीम को आगे की ओर देखना है। उन्होंने कहा, '' ट्रेंट ने जब अगस्त में न्यूजीलैंड क्रिकेट का अनुबंध छोड़ने का फैसला किया था तभी हमने संकेत दे दिये थे कि प्राथमिकता अनुबंधित खिलाड़ियों को दी जायेगी। हमें आगे की ओर देखना है और दूसरों को भी मौका दिया जाना जरूरी है।'' न्यूजीलैंड और भारत दोनों टीमों के लिये यह श्रृंखला अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारी का मौका है। स्टीड ने कहा,'' विश्व कप में अब एक साल से भी कम समय बचा है लिहाजा फिन को अनुभव दिये जाने की जरूरत है, खासकर भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ।'' केन विलियमसन दोनों प्रारूपों में कप्तान होंगे। श्रृंखला का कार्यक्रम ः 18 नवंबर ः पहला टी20, वेलिंगटन 20 नवंबर, दूसरा टी20, तौरंगा 22 नवंबर, तीसरा टी20, नेपियर 25 नवंबर, पहला वनडे, आकलैंड 27 नवंबर, दूसरा वनडे, हैमिल्टन 30 नवंबर, तीसरा वनडे, क्राइस्टचर्च।

फीफा विश्व कप पांच अरब लोग देखेंगे : इनफेंटिनो

बाली । विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) के प्रमुख जियानी इनफेंटिनो ने कहा है कि 20 नवंबर से कतर में होने वाले विश्व कप को दुनिया भर में पांच अरब लोग देखेंगे। इनफेंटिनो अभी बाली में जारी जी 20 देशों के सम्मेलन में हिस्सा भाग लेने इंडोनेशिया आये हैं। इनफेंटिनो ने इस दौरान दुनिया भर के नेताओं से आपसी तनाव और संघर्षों को समाप्त कर विश्व कप फुटबॉल का आनंद लेने की अपील की। इनफेंटिनो ने कहा, 'विश्व कप खुशी और एकता का अवसर होना चाहिए। इसे उम्मीद का सन्देश देना चाहिए।' फीफा अध्यक्ष ने कहा कि फुटबॉल खेल के साथ ही एक आर्थिक गतिविधि के तौर पर भी अहम भूमिका निभाता है। इससे लाखों नौकरियां पैदा होती हैं और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलता है। इनफेंटिनो को उम्मीद है कि कतर में विश्व कप को दुनिया में पांच अरब लोग देखेंगे जो दुनिया की आधी आबादी से ज्यादा है। दुनिया की आबादी आठ अरब है। वहीं वर्ष 2031 में फीफा महिला विश्व कप की मेजबानी की दावेदारी को लेकर इनफेंटिनो ने कहा, फ्यह योजना और चीन की फुटबॉल क्लबों और युवा फुटबॉल में लिप्तता से क्षेत्रीय असंतुलन का समाधान करने में मदद मिलेगी और यह खेल के सम्पूर्ण विकास के लिए जरुरी है।

फीफा 2022 : मेसी ने इन तीन देशों को माना विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार

स्पोर्ट्स डेस्क। कतर में फीफा विश्व कप खिताब जीतने के लिए अर्जेंटीना सबसे प्रबल दावेदारों में से एक मानी रही है। लियोनल मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना 36 साल के सूखे को खत्म करने की उम्मीदों के साथ फीफा विश्व कप में उतरेगी, लेकिन कप्तान मेसी का मानना है कि उनके खिताब जीतने के राह पर तीन देश ब्राजील, फ्रांस और इंग्लैंड सबसे बड़ी बाधा बन सकते हैं। लियोनल मेसी ने एक इंटरव्यू में कहा, 'जब भी हम कतर में होने वाले फीफा विश्व कप की दावेदार टीम के बारे में विचार करते हैं, तो मुझे लगता है कि ब्राजील, फ्रांस और इंग्लैंड बाकी टीमों से ऊपर रहने वाली हैं। यह विश्व कप बहुत कठिन और जटिल है कि आगे कुछ भी हो सकता है। हमारे पास टीम में कई सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं, जो विश्वकप खेलने के लिए काफी उत्साहित है।' मेसी ने आगे कहा, 'हम टूर्नामेंट के लिए बहुत उत्साहित हैं। हमारे पास एक बहुत अच्छा समूह है जो उत्साही है, लेकिन हम चीजों को थोड़ा-थोड़ा करके आगे बढ़ा रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि हम विश्व कप की शुरुआत बेहतरीन तरीके से करेंगे ताकि बाद में आने वाली हर चीज का सामना कर सकें। जितना अधिक आप खेलते हैं और जितना अधिक समय आप पिच पर बिताते हैं, उतना ही आप एक-दूसरे को जानते हैं।' गौरतलब है कि पूर्व में अर्जेंटीना दो बार फीफा विश्व कप जीत चुकी है। अर्जेंटीना की टीम फीफा विश्व कप में 22 नवंबर को सऊदी अरब के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। अर्जेंटीना के ग्रुप-सी में मैक्सिको और पोलैंड की टीमें भी शामिल हैं। गौर हो कि मेसी इस बार अपना पांचवां विश्व कप खेल रहे हैं। मेसी ने जर्मनी में 2006 के फीफा विश्व कप में सबसे पहली बार हिस्सा लिया था।

आयरलैंड ने पाकिस्तान को 34 रन से हराया, जीती ऐतिहासिक महिला टी20 श्रृंखला

लाहौर (एजेंसी)। गैबी लेवाइस (71) और एमी हंटर (40) की विस्फोटक शतकीय साझेदारी के बाद अर्लेन केली (20/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत आयरलैंड ने पाकिस्तान को तीसरे और निर्णायक महिला टी20 मुकाबले में बुधवार को 34 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीत ली। आयरलैंड ने निर्णायक मैच में पाकिस्तान को 168 रन का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में मेजबान टीम 133 रन पर ऑलआउट हो गई। यह आयरलैंड महिला टीम का पहला पाकिस्तान दौरा था जहां एकदिवसीय सीरीज पाकिस्तान ने 3-0 से जीती थी। आयरलैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का निर्णय लिया और एमी-गैबी की सलामी जोड़ी ने इसका भरपूर फायदा उठाया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी करके आयरलैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। एमी ने 35 गेंदों पर तीन चौकों के साथ 40 रन बनाए जबकि गैबी ने 46 गेंदों पर 11 चौके और एक छक्का लगाकर 71 रन की अर्द्धशतकीय पारी खेली। इसके अलावा ओर्ला प्रेंटरगास्ट ने 23 गेंदों पर 37 रन बनाए जबकि रेबेका स्टोक्स ने 14 गेंदों पर नाबाद 17 रन की पारी खेलकर आयरलैंड को 167/4 के स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ने तेज शुरुआत की लेकिन लगातार विकेट गंवाना उन्हें भारी पड़ा। सलामी बल्लेबाज जवेरिया खान ने 37 गेंदों पर सात चौके लगाकर 50 रन बनाये लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। निदा दार ने 24 गेंदों पर 26 रन बनाए जबकि फातिमा सना ने 14 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान के सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके और पूरी टीम 18.5 ओवर में 133 रन पर सिमट गई। आयरलैंड के लिए केली ने तीन ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट लिये, जबकि लौरा डेलानी ने 2.5 ओवर में 20 रन देकर तीन विकेट चटकाए। इसके अलावा जेन माग्योर ने दो और इमर रिचडर्सन ने एक विकेट लिया।

विनेश फोगाट को बुल्गारिया में अभ्यास की मंजूरी मिली

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को बुल्गारिया के बेलमेकेन में पूर्व ओलंपिक रजत पदक विजेता सेराफिम बरजाकोव की देखरेख में ऊंचाई वाले स्थल पर अभ्यास करने की मंजूरी दे दी है। राष्ट्रमंडल खेलों में तीन बार की स्वर्ण पदक विजेता फोगाट के साथ उसके फिजियो अश्विनी पाटिल भी बेलमेकेन जाएंगे। बेलमेकेन समुद्र तल से लगभग 2600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह 19 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शिविर सात नवंबर से शुरू होगा जिसमें कुछ अन्य शीर्ष पहलवानों जैसे बिलियाना डुडोवा (2021 विश्व चैम्पियनशिप स्वर्ण पदक विजेता) और एवेलिना निकोलोवा (2020 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता) के भी शामिल होने की संभावना है। मंत्रालय ने कहा कि विनेश और उनके फिजियो का सारा खर्च भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टॉप्स) के तहत उठाया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा, 'टॉप्स के तहत विनेश को अन्य खर्चों के लिए प्रतिदिन 50 डॉलर भी दिए जाएंगे।' मंत्रालय टॉप्स के तहत ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया को 18-19 नवंबर तक न्यूयॉर्क में होने वाली बिल फेरेल इंटरनेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान करेगा। उसने कहा, 'इस प्रतियोगिता से बजरंग को अमेरिका में कुछ दिग्गज और उदीयमान पहलवानों से भिड़ने का मौका मिलेगा। हाल में समाप्त हुई विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2022 में अमेरिका ने पुरुषों की फ्रीस्टाइल कुश्ती में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।'

पारस डोगरा की नाबाद शतकीय पारी से पुडुचेरी ने सेना को हराया

मुंबई (एजेंसी)। पारस डोगरा (नाबाद 129) की नाबाद शतकीय पारी के साथ केबी अरुण कार्तिक और अंकित शर्मा की अर्धशतकों की मदद से पुडुचेरी ने विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के ग्रुप ई मुकाबले में मंगलवार को यहां सेना को पांच विकेट से शिकस्त दी। डोगरा ने 121 गेंद की नाबाद पारी में आठ चौके और छह छक्के जड़े। उन्होंने कार्तिक और अंकित दोनों के साथ शतकीय साझेदारियां की। पुडुचेरी ने टॉस जीतकर सेना को बल्लेबाजी का न्योता दिया।

मुंबई के खिलाफ शतकीय पारी खेल कर सेना को जीत दिलाने वाले रवि चौहान ने लगातार दूसरे मैच में शतक जड़ा। उनकी 117 गेंद में नौ चौके और एक छक्का जड़ित पारी से टीम ने 50 ओवर में छह विकेट पर 302 रन बनाये। सेना के लिए राहुल सिंह ने 81 और कप्तान रजत पालिवाल ने 38 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पुडुचेरी ने दूसरे ओवर में ही अपने कप्तान आर रघुपति (एक रन) का विकेट गंवा दिया।

टीम ने आठवें ओवर में 42 रन के स्कोर पर दूसरा विकेट भी गंवा दिया। इसके बाद डोगरा और कार्तिक (78) ने तीसरे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी कर मैच में पुडुचेरी की वापसी करायी। कार्तिक ने 73 गेंद की पारी में 10 चौके लगाये। डोगरा को इसक बाद अंकित (50 गेंद में 54 रन) के रूप में अच्छा साझेदार मिला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 103 रन की साझेदारी कर मैच सेना की पकड़ से दूर कर दिया। दिन के एक अन्य मैच में महाराष्ट्र ने अजीम काजी की 97 गेंद में सात चौके और चार छक्के जड़ित 106 रन की पारी के दम पर बंगाल को तीन विकेट से शिकस्त दी। संदीप कुमार घरामी की 132 गेंद में 127 रन की पारी से बंगाल ने छह विकेट पर 279 रन बनाये लेकिन महाराष्ट्र ने आखिरी गेंद तक चले मुकाबले को सात विकेट पर 282 रन बनाकर अपने नाम कर लिया। ग्रुप के एक अन्य मैच में रेलवे ने मिजोरम को 254 रन के बड़े अंतर से हराया।

हार के बाद नडाल एटीपी फाइनल्स से बाहर, रूड सेमीफाइनल में

तूरिन। 22 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता रफेल नडाल एटीपी फाइनल्स में हारकर बाहर हो गए और एक बार फिर यह खिताब जीतने का उनका सपना अधूरा रह गया। शीर्ष वरीयता प्राप्त नडाल को पहली बार इस टूर्नामेंट में खेल रहे फेलिक्स आगर एलियास्मि ने 6 . 3, 6 . 4 से हराया। यह ग्रुप चरण में उनकी लगातार दूसरी हार थी। इसके अलावा तीसरी वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने टेलर फिट्ज को हराकर नडाल का बाहर होना तय कर दिया। इस नतीजे से कार्लोस अलकाराज का साल के आखिर में एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर बने रहना तय है। नडाल अपने कैरियर में दूसरी बार लगातार चार मैच हारे हैं। अमेरिकी ओपन और पेरिस के बाद यह उनकी लगातार चौथी हार थी। सत्र की शुरूआत में उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन जीता था लेकिन चोट के कारण विम्बलडन सेमीफाइनल से हटना पड़ा। नडाल ने हार के बाद कहा,'मुझे नहीं लगता कि मैं टेनिस खेलना या मानसिक रूप से मजबूत होना भूल चुका हूं। मुझे सारी सकारात्मक चीजों को याद करके मजबूती के सथ वापसी करनी होगी।' नडाल ने दस प्रयासों में कभी भी एटीपी फाइनल्स नहीं जीता है। वह 2010 और 2013 में उपविजेता रहे।

विराट, रोहित के बिना भी बड़ी चुनौती पेश करेगी भारतीय टीम: विलियमसन

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियमसन ने कहा है कि अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा के टीम में नहीं होने के बाद भी भारतीय टीम में काफी गहरायी है। इसलिए इसे कम आंकना भूल होगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 नवंबर से तीन मैचों की टी20 और उसके बाद इतने ही मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में अनुभवी खिलाड़ियों के शामिल नहीं होने को लेकर जब विलियमसन से पूछा गया तब उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में इतनी ज्यादा गहराई है कि वह मेजबान के लिये काफी कड़ी चुनौती पेश करेगी। इस सीरीज में युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक को बड़े स्तर पर अपने को साबित करने का मौका दिया गया है।

विलियमसन ने अधिक क्रिकेट खेले जाने को लेकर भी चिन्ता जतायी। उन्होंने कहा कि आजकल इतना अधिक क्रिकेट खेला जा रहा है जो खिलाड़ियों के लिए ही नहीं बल्कि सहयोगी स्टाफ के लिये भी परेशानी का कारण है। उन्होंने कहा, ''हर दो या तीन दिन में मैच खेल रहे हैं जिसकी अपनी चुनौतियां हैं। ऐसे में दुनिया भर में खेल के अलग अलग प्रारूपों में संतुलन बनाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, कुछ देशों के पास खिलाड़ियों का एक बड़ा पूल है, जो ऐसा कर सकते हैं। सभी नहीं ऐसे में हमें खिलाड़ियों को तरोताजा बनाये रखने के लिए संतुलन बनाना होगा।'' वहीं विलियमसन से पूछा गया था कि क्या इंग्लैंड ने टी20 क्रिकेट खेलने के नये मानदंड तय किये हैं। तब उन्होंने कहा, कई मजबूत टी20 टीमें हैं और हमने टूर्नामेंट में देखा कि कई उलटफेर भी हुए हैं। इंग्लैंड ने काफी आक्रामक क्रिकेट खेला जो उनकी टीम के संतुलन के अनुरूप था। हर टीम अपनी ताकत पर काम करके उसके अनुरूप खेलना पसंद करती है।

ममेद्यारोव से करीबी मुक़ाबला हारे प्रज्ञानन्धा, अर्जुन को डुड़ा नें हराया

सान फ्रांसिस्को, यूएसए । वर्ष 2022 चैम्पियन चैस टूर फाइनल के पहले दिन विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन, पोलैंड के यान डूड़ा, अजरबैजान के शाखरियार ममेद्यारोव और नीदरलैंड के अनीश गिरि जीत दर्ज करने मे सफल रहे जबकि भारत के युवा ग्रांड मास्टर आर प्रज्ञानन्धा और अर्जुन एरिगासी समेत यूएसए के वेसली सो और वितयनम के ले कुयांग लिम को हार का सामना करना पड़ा ।

रायपुर : युवा कांग्रेस का भारत जोड़ो युवा संकल्प समारोह २१ नवंबर को

रायपुर: प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने बुधवार को पत्रकारवार्ता के माध्यम से बताया जिस प्रकार देश में हमारे नेता राहुल गांधी कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं। उस यात्रा में सद्भावना एकता की बात करते हुए भारत को जोड़ रहे हैं, उसी की तर्ज में हम २१ नवंबर को रायपुर राजधानी के इनडोर स्टेडियम में भारत जोड़ो युवा संकल्प समारोह का आयोजन किया है।

समारोह में पूरे प्रदेश से १५ हजार से अधिक युवा एकत्रित होकर संकल्प लेंगे और भारत को जोड़ने और एकता बनाए रखने के लिए अपने विधानसभा वार्ड और ब्लॉकस्तर तक जा कर यह संदेश को पहुंचाएंगे। इस समारोह में आने वाले २०२३ के विधानसभा चुनाव को कांग्रेस पार्टी को जीत दिलाने के लिए भी संकल्प लिया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुख्यमंत्री भूपेश एवं मंत्रिमंडल, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी एवं प्रदेश पदाधिकारी, राष्ट्रीय के प्रभारी मौजूद रहेंगे।

आकाश शर्मा ने बताया कि जिला एवं विधानसभा स्तरीय भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारत जोड़ो युवा संकल्प समारोह के तख्तियों का प्रयोग करना एवं २१ नवंबर रायपुर चलो नारे का प्रयोग के भारत जोड़ो यात्रा के दौरान करना साथ ही वाल पेंटिंग एवं फ्लैक्स लगवाना, सोशल मीडिया के माध्यम से सभी जगह कार्यक्रम की जानकारी को अच्छी तरह से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। १८ तारीख से आप सभी को सोशल मीडिया प्लेटफार्म हेतु प्रोफाइल पिक प्रदान की जायेगी। १९ नवंबर को जिलास्तरीय मोटरसाइकिल रैली निकाल के २१ को रायपुर चलो, भारत जोड़ो के नारों के साथ नगर भ्रमण किया जाएगा।

आकाश ने बताया कि भारत जोड़ो युवा संकल्प समारोह कार्यक्रम में पूरे छत्तीसगढ़ के युवा कांग्रेस के २५ हजार से अधिक कार्यकर्ता रायपुर के इंडोर स्टेडियम में एकत्रित होंगे। इस अवसर पर समारोह में सर्वश्रेष्ठ जिला एवं विधानसभा को सम्मानित किया जाएगा। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा, प्रदेश महासचिव भावेश शुक्ला, गुलजेब अहमद, तुषार गुहा, मानव देशमुख उपस्थित रहे।

भानुप्रतापपुर की जनता उप चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाने जा रही-भाजपा

रायपुर/भानुप्रतापपुर, १६ नवंबर (हि.स.)।कांकेर सांसद मोहन मंडावी, प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर , कांकेर जिला अध्यक्ष सतीश लाटिया ने बुधवार को भानुप्रतापपुर में प्रेस वार्ता लेकर कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार में आदिवासी समाज का आरक्षण ३२ से घटकर २० प्रतिशत हो गया है।साथ-साथ पिछड़ा वर्ग को भी आरक्षण के नाम पर गुमराह किया।भाजपा नेताओं ने कहा कि भानुप्रतापपुर की जनता उप चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाने जा रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने आदिवासी समाज के आरक्षण को रोकने की याचिका लगाने वाले को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया है ,वही पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को रोकने वाले को राज्य मंत्री का दर्जा कांग्रेस सरकार ने दिया है। सरकार का यह रवैया साफ बताता है कि ना तो वे आदिवासी वर्ग के साथ है, ना पिछड़ा वर्ग के साथ हैं।

आज जब आदिवासी आरक्षण के विषय पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार को अपना पक्ष सुप्रीम कोर्ट में मजबूती के साथ रखने की आवश्यकता है ,उस समय भानुप्रतापपुर में चुनाव को सामने देखकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार विधानसभा बुलाने का दिखावा कर आदिवासियों को भरमाने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस सरकार आरक्षण विरोधी सरकार है इस सरकार का हर मंत्री, हर विधायक, केवल जनता के अधिकार छीनने और उनके उत्पीड़न के लिए कार्य करता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब से कांग्रेस की सरकार प्रदेश में आई है पिछले ४ वर्षो में भानुप्रतापपुर में अघोषित बिजली कटौती के हालात हैं।भानुप्रतापपुर में स्वास्थ्य व्यवस्था एकदम लचर हो गई है। छोटी सी समस्या में भी मरीज को जिला मुख्यालय जाना पड़ता है।भानुप्रतापपुर में भाजपा द्वारा बनाए गए स्वास्थ्य केंद्र भी सुचारू रूप से नहीं चल पा रहे हैं मरीजों को इलाज में अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।पूरे प्रदेश के समान भानुप्रतापपुर में भी प्रधानमंत्री आवास योजना को रोक कर जरूरतमंदों के मकान बनने नही दिए गए हैं। केंद्र सरकार ने हर घर में नल लगवाने के लिए जो पैसे भेजे राज्य की कांग्रेस सरकार ने ना घर बनने दिया ना बने हुए घरों में न लगने दिया।वन विभाग में धांधली चरम पर है कैम्पा मद के पैसे का लगातार दुरुपयोग चल रहा है हालत यह है कि डीएफओ के खिलाफ खुद कांग्रेस के पदाधिकारी को आंदोलन करना पड़ा।

कि कांग्रेस के संरक्षण में धर्मांतरण का षड्यंत्र चल रहा है। आदिवासियों से उनकी संस्कृति छीनी जा रही है और सरकार कार्यवाही करने की जगह धर्मांतरण करने वाले लोगों का साथ दे रही है।भाजपा नेताओं ने कहा क्षेत्र की जनता ने कांग्रेस को बहुमत देकर जनप्रतिनिधि चुना था यह ठेकेदार और खनन माफिया बन गए।

सीएमडीसी, मोनेट माईनस, चेमल माईनस, हाहालद्दी व चारामा महानदी रेत खदान, सारे माइंस के वैध अवैध ठेके कांग्रेसी नेताओं के संरक्षण में चल रहे हैं।

अवैध ट्रांसपोर्टेशन के कारण सड़कों के बुरे हाल है, स्थानीय व्यक्तियों के अधिकार के हनन व विभिन्न स्थानीय मुद्दों को लेकर लगातार क्षेत्र के ग्रामीण आंदोलनरत रहते हैं पर उनकी कहीं सुनवाई नहीं होती। कांकेर से होकर भानूप्रतापपुर, भानु - अंतागढ़ व भानु - चारामा सड़कों का बुरा हाल है। एक वर्ष पूर्व बने चारामा -भानु मार्ग उखड़ने लगा है। भाजपा नेताओं ने प्रेस वार्ता में बताया कि भाजपा अपने १५ वर्षों के विकास कार्य व ४ वर्षों के कांग्रेसी सरकार की नाकामी को लेकर जनता के बीच जाएगी। उन्होंने कहा अब राज्य की जनता कांग्रेस सरकार से त्रस्त हो चुकी है। जनता ने यह महसूस कर लिया है कि उन्हें राज्य की कांग्रेस सरकार ने बुरी तरीके से ठगा है। अब वह पुनः भाजपा को वोट कर विकास चाहती है

रायपुर : हर नवजात की सुरक्षा जरूरी : डॉ.मिथिलेश चौधरी

रायपुरः शिशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल के प्रति जन-जागरुकता के लिए नवजात शिशु सप्ताह का शुभारंभ बुधवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी द्वारा जिला मातृ एवं शिशु अस्पताल कालीबाड़ी में किया गया। इस सप्ताह का उद्देश्य लोगों को नवजात शिशुओं की देखभाल और उनके बेहतर स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करना है।

राष्ट्रीय नवजात शिशु सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने कहा कि 9" इस बार राष्ट्रीय नवजात शिशु सप्ताह को 'सुरक्षा, गुणवत्ता और पोषण देखभाल-हर नवजात शिशु का जन्म अधिकार' की थीम पर मनाया जा रहा है। नवजात स्वास्थ्य के महत्व को सुदृढ़ करना और नवजात अवधि में शिशुओं के लिए स्वास्थ्य देखभाल की स्थिति में सुधार कर शिशु मृत्यु दर को कम करना है। बच्चे की नवजात काल की अवधि (जीवन के पहले अठाईस दिन) महत्त्वपूर्ण होती है, क्योंकि नवजात की इस अवधि में किसी अन्य अवधि की तुलना में नवजात को जोखिम अधिक होता है। इसलिए इस सप्ताह के तहत ग्रामों में मितानिन, एएनएम द्वारा गृह भेंट के दौरान शिशुओं के स्वास्थ्य का परीक्षण किया जाएगा। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा बच्चों के परिजनों को शिशु की उचित देखभाल, कंगारू मदर केयर विधि, माँ का दूध पिलाने के संबंध में समझाइश दी जाएगी। एसएनसीयू यूनिट में सभी स्टाफ द्वारा नवजात शिशुओं के परिजनों को भी जागरूक किया जाएगा। नवजात शिशु सप्ताह के दौरान बच्चों का वजन लेना,निमोनिया से बचाव और लक्षण के प्रति जागरूकता, तापमान लेने संबंधी कार्य किये जायेंगे।"

इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. पीके गुप्ता ने कहा कि "इस सप्ताह के दौरान नवजात शिशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण समस्त जिला अस्पताल की ओ.पी.डी. में किया जायेगा, जिले में संचालित समस्त एसएनसीयू/ एनबीएसयू / एनबीसीसी के गुणवत्तापूर्ण संचालन पर भी जोर दिया जाएगा। एसएनसीयू से डिस्चार्ज हुए बच्चों का समुदाय स्तर पर फॉलो-अप किया जाएगा। संस्थागत जन्मे सभी बच्चों की विकृति के संबंध में परीक्षण कर समय पर उपचार किया जाएगा। बच्चों में निमोनिया की रोकथाम के लिए प्रारंभ हुए नियमित टीकाकरण कार्यक्रम न्यूमोकोकल कॉन्ज्युगेट वैक्सीन अभियान के तीन डोज जन्म के एक वर्ष के भीतर बच्चों को दिया जा रहा है। एमएमआर (मातृ मृत्यु दर) को भी कम करना है।

नवजात शिशु की समुचित देखभाल के लिए जरूरी है कि संस्थागत प्रसव को बढ़ावा दिया जाए। प्रसव के बाद ४८ घंटे तक मां एवं शिशु की उचित देखभाल के लिए अस्पताल में रुकें। नवजात को तुरंत न नहलायें केवल शरीर पोंछकर नर्म साफ़ कपड़े पहनाएं। जन्म के एक घंटे के भीतर माँ का गाढ़ा पीला दूध अवश्य पिलाना शुरू करें, छह माह तक सिर्फ और सिर्फ स्तनपान कराया जाए। जन्म के तुरंत बाद नवजात का वजन लें। नियमित रूप से सम्पूर्ण टीकाकरण कराए। नवजात की नाभि सूखी एवं साफ़ रखें, ताकि संक्रमण से बचाएं और माँ और शिशु की भी व्यक्तिगत स्वच्छता का ख्याल रखें। कम वजन और समय से पहले जन्में बच्चों पर विशेष ध्यान दें। शिशु का तापमान स्थिर रखने के लिए कंगारू मदर केयर (केएमसी) की विधि अपनाएँ। शिशु जितनी बार चाहे दिन या रात में बार-बार स्तनपान कराए।

व्यापार

वैश्विक दबाव के बावजूद ५२ सप्ताह के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा सेंसेक्स

नई दिल्लीः मौजूदा कारोबारी सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को घरेलू शेयर बाजार उतार-चढ़ाव के साथ सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। वैश्विक दबाव के बावजूद सेंसेक्स आज ५२ सप्ताह के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचने में सफल रहा। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स ६२,०५२.५७ अंक की ऊंचाई तक पहुंचा। इसके पहले पिछले साल १९ अक्टूबर को सेंसेक्स ने ६२,२४५.४३ अंक तक पहुंच कर ऑल टाइम हाई का रिकॉर्ड बनाया था। इस सूचकांक ने आज ६२ हजार अंक के स्तर को पार करने में तो जरूर सफलता पाई, लेकिन अपने ऑल टाइम हाई के रिकॉर्ड तक नहीं पहुंच सका।

प्रतिकूल वैश्विक परिस्थितियों के बीच आज घरेलू शेयर बाजार में लगातार लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल सीमित दायरे में ही कारोबार करते हुए लगातार उतार-चढ़ाव वाली बनी रही। आखिरी १ घंटे के कारोबार में हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स ने ६१,९८०.७२ अंक के स्तर पर बंद होकर क्लोजिंग के ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान रेलवे, शुगर और डिफेंस सेक्टर के शेयरों में ओवरऑल तेजी का रुख बना रहा। इसके साथ ही आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में भी छिटपुट खरीदारी होती रही। दूसरी ओर रियल्टी और मेटल सेक्टर के ज्यादातर शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह मिडकैप और स्मॉलकैप के शेयरों पर भी पूरे दिन के कारोबार के दौरान दबाव बना रहा।

दिन भर हुई खरीद बिक्री के दौरान स्टॉक मार्केट में आज १,९९६ शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से ७५१ शेयर मुनाफा कमाकर हरे निशान में बंद हुए, जबकि १,२४५ शेयर नुकसान उठाकर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल ३० शेयरों में से १६ शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में और १४ शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी में शामिल ५० शेयरों में से २० शेयर हरे निशान में और ३० शेयर लाल निशान में बंद हुए।

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सेंसेक्स ने आज गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की। सेंसेक्स १६४.३६ अंक की कमजोरी के साथ ६१,७०८.६३ अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा।

सुबह १० बजे के बाद शेयर बाजार में तेज खरीदारी शुरू हो गई, जिसकी वजह से दोपहर १२ बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स १७९.५८ अंक की मजबूती के साथ ६२ हजार अंक के स्तर को पार करके ५२ सप्ताह के सर्वोच्च स्तर ६२,०५२.५७ अंक तक पहुंच गया। बीएसई के इतिहास में दूसरी बार सेंसेक्स ६२ हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा। हालांकि बाजार में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव की वजह से सेंसेक्स इस ऊंचाई पर कायम नहीं रह सका और बिकवाली का शिकार होकर एक बार फिर लाल निशान में पहुंच गया। कारोबार के आखिरी १ घंटे में खरीदारों ने एक बार फिर जोर लगाया, जिसकी वजह से ये सूचकांक १०७.७३ अंक की मामूली बढ़त के साथ क्लोजिंग का ऑल टाइम हाई रिकॉर्ड बनाते हुए ६१,९८०.७२ अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी ने भी आज ५.१५ अंक की मामूली गिरावट के साथ १८,३९८.२५ अंक के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही निफ्टी में गिरावट का रुख बना। बिकवाली के दबाव के कारण ये सूचकांक लुढ़क कर १८,३५४.७० अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि आधे घंटे के कारोबार के बाद ही बाजार में खरीदारी शुरू हो गई, जिससे निफ्टी भी निचले स्तर से रिकवरी करने लगा। बाजार में खरीदारी का ये दौर दोपहर १२ बजे तक जारी रहा, जिसकी वजह से निफ्टी ३८.७५ अंक की मजबूती के साथ आज के सर्वोच्च स्तर १८,४४२.१५ अंक तक पहुंच गया। हालांकि दिन के दूसरे कारोबारी सत्र में लगातार बिकवाली का दबाव बने रहने की वजह से निफ्टी एक बार फिर गिर कर लाल निशान में पहुंच गया। दोपहर २:३० बजे के बाद बाजार को एक बार फिर खरीदारों का सपोर्ट मिला, जिसकी वजह से ये सूचकांक ६.२५ अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ १८,४०९.६५ अंक के स्तर पर आज का कारोबार खत्म करने में सफल रहा।

दिनभर की खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से कोटक महिंद्रा २.८० प्रतिशत, कोल इंडिया १.१८ प्रतिशत, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज १.०७ प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक ०.८६ प्रतिशत और हिंदुस्तान यूनिलीवर ०.८३ प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप ५ गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर अपोलो हॉस्पिटल २.८८ प्रतिशत, अडाणी इंटरप्राइजेज २.४९ प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स २.१६ प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज २.०८ प्रतिशत और जेएसडब्ल्यू स्टील १.९५ प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप ५ लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

अरविंद विरमानी नीति आयोग के पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने देश के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद विरमानी को नीति आयोग का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया है।

कैबिनेट सचिवालय की ओर से बुधवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने अरविंद विरमानी को नीति आयोग के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया है। देश के पूर्व आर्थिक मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके विरमानी फाउंडेशन ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ एंड वेलफेयर के संस्थापक चेयरमैन हैं।

अरविंद विरमानी ने वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार के तौर पर २००७ से लेकर २००९ तक काम किया है। इसके साथ ही वह फरवरी, २०१३ से अगस्त, २०१६ तक मौद्रिक नीति पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य भी रहे हैं।

ट्विटर की ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस २९ नवंबर को दोबारा होगी लॉन्च

नई दिल्ली: सोशल मीडिया साइट ट्विटर की ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस २९ नवंबर को दोबारा लॉन्च होगी। ट्विटर के नए बॉस एलन मस्क ने इसका ऐलान किया है। इससे पहले मस्क ने कहा था कि इस हफ्ते के आखिर तक इस सर्विस को रिलॉन्च किया जाएगा।

मस्क की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह रॉक सॉलिड है, २९ नवंबर को ब्लू वेरिफाइड को रिलॉन्च किया जा रहा है। ट्विटर में बड़े पैमाने पर छंटनी और भारत और कुछ देशों में इसकी स्पीड कम होने और स्लो चलने के आरोप पर मस्क ने जवाब दिया है। एलन मस्क ने माना है कि हां ऐसा है और मैं इसके लिए माफी मांगता हूं।

उल्लेखनीय है कि ट्विटर पर ब्लू चेक मार्क पहले राजनेताओं, प्रसिद्ध हस्तियों, पत्रकारों और अन्य सार्वजनिक हस्तियों के वेरिफाइड अकाउंट के लिए रिजर्व रखा गया था। अब इसे ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस में जोड़

दिया गया है, जिसे कोई भी व्यक्ति पेमेंट कर इसको ले सकेगा। मस्क ने ट्विटर का अधिग्रहण करने के तुरंत बाद इस सर्विस को कुछ देशों में ८ डॉलर प्रति महीने के शुल्क पर लॉन्च किया था लेकिन फेक अकाउंट बढ़ने के चलते इसे होल्ड कर दिया गया।

कोटक महिंद्रा बैंक ने एमसीएलआर दर ०.२० फीसदी घटाई, नई दरें लागू

नई दिल्ली:निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक ने कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर (एमसीएलआर) में बदलाव किया है। बैंक ने विभिन्न अवधि के लिए एमसीएलआर दर ०.२० फीसदी घटा दी है। नई दरें बुधवार से लागू हो गई है।

बैंक के मुताबिक एक साल की अवधि के लिए एमसीएलआर दर ८.७५ फीसदी से घटाकर ८.५५ फीसदी कर दिया गया है। इसी तरह बैंक की एक दिन से लेकर तीन साल तक की अन्य अवधि के लोन के लिए संशोधित एमसीएलआर दरें ७.८० फीसदी से ९.०५ फीसदी के दायरे में हैं।

कोटक बैंक ने अपनी वेबसाइट पर जारी सूचना में कहा कि संशोधित एमसीएलआर दरें १६ नवंबर से प्रभावी हो गई हैं। बैंक मासिक आधार पर अपनी एमसीएलआर दरों की समीक्षा करते हैं। बैंक ऑटो, होम और व्यक्तिगत लोन जैसे ज्यादातर ऋणों के लिए एक साल की अवधि वाली एमसीएलआर दर का इस्तेमाल करते हैं।

Printed by Abinash Mishra Published by Abinash Mishra on behalf of (or owned) by Padmalaya Mishra And Printed at M/S Durga Madhav Printers, At-Bajrakabati Road Po-Buxibazar, Cuttack-1 Dist-Cuttack ODISHA)
Published at Thatari Sahi,Chauligang Po-Nayabajar, Cuttack-4, Dist-Cuttack ODISHA). **Editor-Abinash Mishra** Mob-9437045332 email:mahanadisuperfast20@gmail.com,

मुद्रक अविनाश मिश्र तथा प्रकाशक अविनाश मिश्र दबारा(स्वामी का नाम) पद्मालया मिश्र (मुद्रण स्थल) से मुद्रति तथा दुर्गा माधब प्रीण्टर्स आट-बज्रक बाटी रोड , बक्सीबजार ,कटक -1 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशीत थाटरी साही , चाउलीआ गंज ,कटक -753004 संपादक : अविनाश मिश्र

Bhubaneswar Office: Plot-493,Sarathi Market Complex, Govinda Prasad,BomikhalBhubaneswar-10